सोमवार

09 मार्च -2026

वर्ष 10, अंक 182

पेज 8, मूल्य 2 रुपए

रांची

रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

पेज-8

संक्षिप्त समाचार

जयराम रमेश ने बढ़ते प्रदूषण को लेकर सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने एक बार पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। कांग्रेस ने बढ़ते प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए 2009 के 'नेशनल एम्बिएंट एयर क्वालिटी स्टैंडर्ड्स' (एनएएक्यूएस) की तत्काल समीक्षा और उन्नयन किए जाने

की रविवार को मांग की और जोर देकर कहा कि इन्हें अधिक प्रभावी तरीके से लागू करना चाहिए। कांग्रेस के संचार मामलों के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि पीएम 56 इंच का पर्दाफाश हो गया है, पीएम 2.5 अब सच है। कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर लिखा कि पीएम 2.5, यानी 2.5 माइक्रोमीटर या उससे कम व्यास वाला कण पदार्थ पूरे देश में गंभीर पर्यावरण-स्वास्थ्य संकट का कारण बन चुका है।

पंजाब में 2.60 लाख करोड़ का बजट पेश

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के वित्तमंत्री हरपाल चीमा ने रविवार (8 मार्च) को 2,60,437 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। ढाई घंटे से ज्यादा के बजट भाषण में चीमा ने महिलाओं, किसानों, शिक्षा और हेल्थ सेक्टर में कई घोषणाए कीं। बजट के शुरू में ही वित्त मंत्री ने कहा कि ये बजट मां-

बेटियों को समर्पित है। इस बजट का नाम गारंटी पूरा करने वाला रखता हूं। बजट के आखिरी में महिलाओं के लिए एक हजार रुपए महीना देने की स्कीम मुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार लॉन्च की। वित्तमंत्री हरपाल चीमा ने कहा कि 18 साल से बड़ी हर उम्र की महिला को 1 हजार रुपए महीना मिलेंगे। हालांकि एसटी वर्ग की महिलाओं को 1500 रुपए महीने दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे पंजाब की 97 फीसदी महिलाएं कवर होंगी। इसके लिए 9300 करोड़ का फंड रखा है।

उत्तराखंड के राज्यपाल के हेलीकॉप्टर में आई तकनीकी खराबी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के राज्यपाल रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह के हेलीकॉप्टर में उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आ गई। राज्यपाल गैरसैंण जा रहे थे, जहां सोमवार से विधानसभा का सत्र

राज्यपाल गुरमीत सिंह

शुरू होना है और पहले दिन बजट पेश किया जाना है। तकनीकी खराबी का अलर्ट मिलते ही पायलट ने तुरंत एहतियात के तौर पर यूरोकॉप्टर हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग कराने का फैसला लिया। इसके बाद चॉपर को श्रीनगर स्थित जीवीके हेलीपैड पर सुरक्षित उतार लिया गया। पायलट की सूझबूझ और तत्परता के कारण एक बड़ा हादसा टल गया।

सिंदरी विधानसभा के सर्वांगीण विकास और जन-सुविधाओं को धरातल पर उतारना ही मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता: विधायक चंद्रदेव महतो

दैनिक अलग पहचान, धनबाद ब्यूरो, शीतल दत्ता/ धनबाद। बलियापुर (सिंदरी विधानसभा): विकास की राह पर अग्रसर सिंदरी विधानसभा के आमटाल पंचायत में प्रगति का एक नया अध्याय जुड़ा। लोकप्रिय विधायक कामरेड चंद्रदेव महतो ने आमटाल पंचायत की जीवनरेखा माने जाने वाले दो प्रमुख जलाशयों– 'बड़ा पोखर तालाब' एवं 'बड़ा बांध तालाब' के जीर्णोद्धार कार्य का विधिवत शिलान्यास किया।

ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत

कार्यक्रम के दौरान आमटाल के कॉमरेड साथियों और स्थानीय ग्रामीणों ने माननीय विधायक का जोरदार स्वागत किया। ग्रामीणों ने विधायक के एक वर्ष के कार्यकाल की सराहना करते हुए क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जनसमस्याओं का होगा जड़ से समाधान

शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए विधायक चंद्रदेव महतो ने कहा, 'ग्रामीण और सिंदरी विधानसभा के प्रत्येक व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाना मेरा मुख्य संकल्प है। विधानसभा क्षेत्र की जो भी जन समस्याएं हैं, उन्हें मैं जड़ से खत्म करने का प्रयास कर रहा हूँ। सामने कोलियरी क्षेत्र होने के कारण इन दोनों तालाबों का महत्व और बढ़ जाता है; इनके जीर्णोद्धार से स्थानीय निवासियों को जल संचयन और दैनिक उपयोग में बड़ी राहत मिलेगी।'

आमटाल-बेड़ा रोड की जल्द मिलेगी सौगात

विधायक ने ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग 'आमटाल-बेड़ा रोड' पर महत्वपूर्ण अपडेट देते हुए बताया कि सड़क निर्माण की विभागीय प्रक्रिया अंतिम चरण में है। बहुत जल्द इस सड़क का शिलान्यास कर इसे जनता को समर्पित किया जाएगा।

उपस्थिति

इस ऐतिहासिक अवसर पर मुख्य रूप से प्रहलाद महतो, आनंद महिपाल, विधायक प्रतिनिधि शीतल दत्ता, मुखिया संजय गोराई, डॉ. राजेश सिंह, भरत महतो ,असित चटर्जी, सुरजीत चंद्र ,आलोक माझी, दयाल बाउरी ,मुकेश बावरी, उत्पल लद्यहा, हारु बाउरी , बासु बाउरी , ललित महतो, कार्तिक रवानी, रवि दे, कमल रवानी, पिंटू पाल, गोविंद बावरी, विजय दत्तद्य, महावीर बाउरी ,विश्व प्रमाणिक, विधान चक्रवर्ती, गोपीनाथ चंद्र, मिथुन चक्रवर्ती, शंकर दास, पुरुषोत्तम दे ,विष्णु दे, देवरंजन दास, आमोद बावरी ,बबलू बाउरी,निरंजन गोराई, तारक पाल, रंजित गोप, आनन्द गोराई, समीर माझी, भोलानाथ पाल, आनन्द सिंह , लालू महतो , बबला दा , सृष्टिधार गोप, चिन्मय माझी ,मनोज माझी , तूफान चंद्र, प्रदीप चक्रवर्ती सहित भारी संख्या में ग्रामीण और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रांची में 'जल महोत्सव पखवाड़ा' का शुभारंभ

- उपविकास आयुक्त, रांची श्री सौरभ कुमार भुवानिया द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया शुभारंभ
- 08 से 22 मार्च 2026 तक जिले में विभिन्न जागरूकता एवं सहभागिता कार्यक्रमों का होगा आयोजन

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची/ रांची। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रांची जिला अंतर्गत हॉकी स्टेडियम सभागार में उपविकास आयुक्त, रांची सौरभ कुमार भुवानिया की अध्यक्षता में जल महोत्सव पखवाड़ा का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। यह पखवाड़ा 08 मार्च 2026 से 22 मार्च 2026 तक जिले में विभिन्न जागरूकता एवं सहभागिता कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान उपविकास आयुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने पखवाड़े के दौरान आयोजित होने वाले प्रतिदिन के कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी उपस्थित लोगों को दी। उन्होंने दोनों प्रमंडलों के कार्यपालक अभियंताओं को निर्देश दिया कि अपने-अपने प्रमंडल से पांच-पांच ऐसी महिलाओं का चयन करें, जिन्होंने पखवाड़े के दौरान जल संरक्षण एवं जनजागरूकता से जुड़ी उत्कृष्ट गतिविधियाँ की हों। चयनित महिलाओं को 22 मार्च 2026 को जिला एवं राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

इस अवसर पर विभिन्न पंचायतों से आए मुखिया एवं जलसहिया दीदियों ने अपने-अपने पंचायत और गांवों में जल संरक्षण एवं जल जीवन मिशन के अंतर्गत किए गए सराहनीय कार्यों के अनुभव भी साझा किए।

● जल जीवन मिशन के तहत उत्कृष्ट कार्य करने के लिए मुखिया एवं चार जलसहिया दीदियों को किया गया सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान उपविकास आयुक्त द्वारा जल जीवन मिशन के तहत उत्कृष्ट कार्य करने के लिए एक मुखिया एवं चार जलसहिया दीदियों को शॉल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य उत्कृष्ट कार्य करने वाली जलसहिया दीदियों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जल संरक्षण, स्वच्छ जल की उपलब्धता और महिलाओं की भूमिका को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर संबंधित विभाग के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, जलसहिया दीदियां एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित थीं।

▶▶ महिलाओं को कानूनी अधिकार व सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

नारी अब अबला नहीं, बल्कि सशक्त और जागरूक शक्ति' - प्रखंडों व पंचायतों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दैनिक अलग पहचान, साहिबगंज ब्यूरो, ओम प्रकाश/
साहिबगंज।साहिबगंज झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश पर तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अखिल कुमार के मार्गदर्शन में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने बताया कि पारा लीगल वॉलिंटियर्स - न्याय मित्रों द्वारा गांव-गांव में जाकर महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा से संबंधित कानूनों तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान यह संदेश भी दिया गया कि नारी अब अबला नहीं, बल्कि सशक्त, जागरूक और आत्मनिर्भर शक्ति है, जो अपने अधिकारों को जानकर समाज और परिवार के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को घरेलू हिंसा से संरक्षण, दहेज प्रतिषेध कानून, बाल विवाह निषेध अधिनियम, संपत्ति में महिलाओं के अधिकार, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से सुरक्षा तथा निःशुल्क विधिक

सहायता की सुविधा के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही पीड़ित महिलाओं को मिलने वाले मुआवजा, सहायता एवं न्याय प्राप्ति की प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से बताया गया।

इसके अतिरिक्त महिलाओं को महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वरोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में नालसा टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण साहेबगंज के कार्यालय का संपर्क नंबर 9471521725 भी साझा किया गया, ताकि जरूरतमंद लोग सीधे संपर्क कर सकें।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं, स्थानीय लोग एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, सरकारी योजनाओं की जानकारी देना तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय की पहुँच सुनिश्चित करना था। डालसा ने आश्वस्त किया कि भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

पलामू की नेत्री अनीता का निधन : विधायक अरूप चटर्जी ने जताया गहरा शोक

- कॉमरेड अनीता का दुर्घटना में निधन, भाकपा-माले को गहरा सदमा

दैनिक अलग पहचान,अन्नपूर्णा गुप्ता, मुख्य संपादक, नई दिल्ली/ झारखंड के पलामू जिले ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर एक ऐसी निडर, समर्पित और संघर्षशील महिला नेता को खो दिया है, जिनकी आवाज गरीबों, मजदूरों और विशेषकर विद्यालय रसोइयों के अधिकारों के लिए वर्षों तक गूंजती रही। भाकपा-माले की राज्य कमेटी सदस्य, झारखंड राज्य विद्यालय रसोइया संघ की अध्यक्ष एवं पलामू जिले की प्रमुख नेत्री कॉमरेड अनीता जी का 7 मार्च 2026 की संध्या करीब 6:00 बजे एक भीषण सड़क दुर्घटना में आकस्मिक निधन हो गया। यह घटना पार्टी, मजदूर वर्ग और पूरे झारखंड की महिलाओं के लिए अपूरणीय क्षति है।भाकपा-माले के निरसा विधायक कॉमरेड अरूप चटर्जी ने इस दुखद घटना पर गहन शोक व्यक्त करते हुए कहा

'भाकपा-माले राज्य कमेटी सदस्य सह रसोइया संघ की अध्यक्ष, पलामू जिले की अथक संघर्षशील नेत्री कॉमरेड अनीता जी का यह आकस्मिक निधन पार्टी के लिए अत्यंत गहरा आघात है। पलामू जिले के साथ-साथ पूरे झारखंड की महिलाओं की एक मजबूत, निर्भीक और न्याय की पुकार बन चुकी आवाज हमारे बीच से हमेशा के लिए चली गई है। उनके जैसे साहसी योद्धा दुर्लभ होते हैं, जो वर्षों से विद्यालय रसोइयों के अधिकारों, सम्मानजनक वेतन, सामाजिक सुरक्षा और बेहतर कार्यस्थिति के लिए निरंतर लड़ती रहीं। कामरेड अनीता को लाख-लाख श्रद्धांजलि! लाल सलाम! कॉमरेड अनीता अमर रहे! हम उनके अधूरे सपनों, उनके संघर्षों और उनकी विरासत को पूरा करने का संकल्प लेते हैं। 'कॉमरेड अनीता जी लंबे समय से झारखंड राज्य विद्यालय रसोइया संघ की प्रमुख के रूप में सक्रिय रहीं। उन्होंने हजारों मिड-डे मील कार्यकर्ताओं (रसोइयों) की आवाज को विधानसभा, सड़कों और संगठित आंदोलनों तक पहुंचाया। न्यूनतम मजदूरी, नियमितीकरण, स्वास्थ्य सुविधा, बीमा और पेंशन जैसी मांगों को लेकर उन्होंने बार-बार धरना, प्रदर्शन और अनशन किए। पलामू के ग्रामीण इलाकों में महिलाओं के सशक्तिकरण, बालिका शिक्षा और मजदूर अधिकारों के मुद्दों पर उनकी सक्रियता ने उन्हें आम जनता के बीच 'लोगों की अपनी आवाज' का दर्जा दिलाया था।पार्टी के गढ़वा जिला सचिव ने भी इस निधन को पार्टी एवं

समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए कहा कि कॉमरेड अनीता जी हर संघर्ष के मोर्चे पर सबसे आगे खड़ी रहती थीं। वे न केवल रसोइयों की नेता थीं, बल्कि पूरे मजदूर वर्ग और महिलाओं की एकजुटता की प्रतीक बनीं। सिंदरी विधानसभा के विधायक प्रतिनिधि शीतल दत्ता तथा कॉमरेड पवन ने भी गहरा शोक जताया और कहा कि उनकी कमी पार्टी के आंदोलनों में हमेशा महसूस होगी।भाकपा-माले के कार्यकर्ता, समर्थक और आम जनता इस दुख की घड़ी में एकजुट होकर कॉमरेड अनीता जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। उनके परिवार, साथियों और हजारों रसोइयों के चेहरों पर आंसू हैं, लेकिन उनके संघर्ष की लौ कभी नहीं बुझेगी।

थाईलैंड के 'खोन' नृत्य में दिखती है रामायण की झलक

● यूनेस्को भी है थाई देश की इस अनोखी कला का कायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। थाईलैंड की संस्कृति बेहद समृद्ध है, और उसकी राष्ट्रीय पहचान का एक बहुत बड़ा और गौरवपूर्ण हिस्सा है 'खोन' नृत्य। यह सिर्फ एक साधारण डांस नहीं है, बल्कि इसमें बेहतरीन अभिनय, सुरीला संगीत, साहित्य और मनमोहक दृश्यों का एक अद्भुत संगम देखने को मिलता है। इस खूबसूरत कला की शुरुआत लगभग 17वीं शताब्दी में हुई थी। शुरुआती दौर में खोन नृत्य केवल राजा-महाराजाओं के शाही दरबारों तक ही सीमित था। इसे खास तौर पर शाही पूजा-पाठ और बड़े समारोहों के दौरान ही प्रस्तुत किया जाता था। हालांकि, वक्त के साथ इस कला ने राजमहलों की चारदीवारी से बाहर निकलकर राष्ट्रीय मंचों तक अपना सफर तय किया। इतने बदलावों के बावजूद, इसमें आज भी प्राचीन थाई कला की शुद्धता और प्रभाव पूरी तरह बरकरार है। इस थाई नृत्य का हमारी भारतीय संस्कृति से भी गहरा नाता है। खोन नृत्य की ज्यादातर प्रस्तुतियां 'रामाकियन' पर आधारित होती हैं, जो भारतीय महाकाव्य रामायण का ही थाई रूप है। इस प्रस्तुति में थाई संस्कृति के नजरिए से फ्रा राम (भगवान राम), सीदा (माता सीता) और तोसाकन (रावण) जैसे मुख्य किरदारों की कहानी को मंच पर जीवंत किया जाता है।

यूनेस्को द्वारा मिला विश्वस्तरीय सम्मान

खोन नृत्य की इस ऐतिहासिक और सांस्कृतिक अहमियत को पूरी दुनिया ने सराहा है। यही वजह है कि साल 2018 में यूनेस्को ने इस अनोखी कला को अपनी मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल करके इसे एक बड़ा सम्मान दिया।

रहस्यमयी मुखौटे और पारंपरिक संगीत

इस नृत्य की सबसे बड़ी और आकर्षक खूबी इसके रंग-बिरंगे और बेहद बारीकी से डिजाइन किए गए मुखौटे हैं। सभी कलाकार इन सजे-धजे मुखौटों को पहनकर अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। इन मुखौटों के हर रंग और हर एक आकार का अपना एक खास प्रतीकात्मक मतलब होता है।

संक्षिप्त समाचार

पाकुड़-दुमका सीमा पर बालू लदा ट्रक पलटा

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़-दुमका सीमा पर गुम्मा मोड़ के पास रविवार को बालू से लदा एक ट्रक अचानक पलट गया। हालांकि इस दुर्घटना में ट्रक के चालक और उपचालक बाल-बाल बच गए। घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों की बड़ी संख्या मौके पर जमा हो गई। जानकारी के अनुसार ट्रक दुमका जिले की एक नदी से बालू लोड कर पश्चिम बंगाल के धूलियान जा रहा था।

यह वाहन दुमका से काठीकुंड होते हुए पाकुड़ की ओर बढ़ रहा था। इसी दौरान गुम्मा मोड़ के पास अचानक ट्रक का ब्रेक फेल हो गया। चालक ने वाहन को नियंत्रित करने की काफी कोशिश की, लेकिन ट्रक असंतुलित होकर सड़क किनारे पलट गया। गनीमत रही कि उस समय सड़क पर ज्यादा आवाजाही नहीं थी, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

दुर्घटना के बाद ट्रक के चालक और उपचालक ने किसी तरह अपनी जान बचाई। पश्चिम बंगाल के दोगांछी निवासी चालक मोहम्मद जियाउल ने बताया कि जब ट्रक का ब्रेक अचानक फेल हो गया तो उन्होंने उसे रोकने की पूरी कोशिश की। स्थिति बिगड़ती देख उन्होंने और उपचालक ने तुरंत ट्रक से कूदकर अपनी जान बचाई।

चालक ने बताया कि हादसे के तुरंत बाद उन्होंने ट्रक मालिक को फोन कर घटना की जानकारी दे दी। उन्होंने बताया कि ट्रक में लदा बालू दुमका जिले से लोड किया गया था और इसे अमड़ापाड़ा, लिट्टीपाड़ा, हिरणपुर और पाकुड़ होते हुए पश्चिम बंगाल के धूलियान पहुंचाया जाना था। हादसे में वाहन को काफी नुकसान हुआ है।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस मार्ग पर चलने वाले बालू लदे वाहनों की जांच की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि इस रास्ते से अक्सर बालू से लदे ओवरलोड ट्रक गुजरते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। लोगों का आरोप है कि बालू दुमका से लोड किया जाता है, लेकिन उसका चालान गुम्मा मोड़ के पास दिया जाता है।

इससे ओवरलोडिंग की समस्या बढ़ जाती है। स्थानीय लोगों ने दुमका और पाकुड़ प्रशासन से इस मामले पर विशेष ध्यान देने की अपील की है। उनका कहना है कि यदि नियमित रूप से जांच अभियान चलाया जाए तो ऐसे हादसों पर रोक लगाई जा सकती है और सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

गिरिडीह में दो सड़क हादसों में पांच घायल

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले में शनिवार रात दो अलग-अलग सड़क हादसों में कुल पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से गिरिडीह सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से दो घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया गया है। पहली घटना नगर थाना क्षेत्र के मोहलीचुंवा इलाके में हुई। जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार बाइक पर सवार मोहम्मद अली और अफजल ने आगे चल रहे एक अन्य बाइक सवार अनिल ठठेरा को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गईं और तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास के स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को सड़क से हटाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। अनिल ठठेरा की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें तुरंत अस्पताल भेजा गया। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला।

पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अपने वाहन से घायल मोहम्मद अली को गिरिडीह सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज शुरू किया गया। स्थानीय लोगों की सक्रियता और पुलिस की मदद से सभी घायलों को समय पर इलाज मिल सका। फिलहाल चिकित्सक घायलों की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। दूसरी सड़क दुर्घटना पंचंबा थाना क्षेत्र के परसाटांड़ के पास हुई, जहां दो बाइकों के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई।

पिता डिब्बे में रखकर अस्पताल से घर ले गया नवजात का शव, नहीं मिला एंबुलेंस

राँची, एजेंसी। झारखंड में स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली एक बार फिर उजागर हुई है। पश्चिमी सिंहभूम जिले में कुछ दिन पहले मृत बच्चे को झोले में ले जाने की घटना से विभाग की किरकिरी हुई थी। अब ताजा मामला चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल से सामने आया है, जहां नवजात शिशु की मौत के बाद परिजनों को उसका शव डब्बे में भरकर घर ले जाने को मजबूर होना पड़ा। जानकारी के अनुसार, कराइकेला थाना क्षेत्र के बंगरासाई निवासी रामकृष्ण हेम्ब्रम ने तीन दिन पूर्व अपनी पत्नी रीता तिरिया को चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया था। शनिवार को रीता तिरिया ने एक बच्चे को जन्म दिया, लेकिन जन्म के कुछ ही समय बाद नवजात की मौत हो गई।

परिजनों का आरोप है कि बच्चे की मौत के बाद अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मियों ने जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया और बार-बार रामकृष्ण हेम्ब्रम पर बच्चे का शव घर ले जाने का दबाव बनाने लगे। अस्पताल की ओर से न तो एंबुलेंस की व्यवस्था की गई और न ही शव को सुरक्षित तरीके से ले जाने के लिए कोई अन्य विकल्प बताया गया।

मजबूरी में रामकृष्ण हेम्ब्रम अपने नवजात शिशु के शव को एक कूट के डब्बे में रखकर घर ले गए। ग्रामीणों का कहना है कि गांव-देहात से आने वाले मरीजों के साथ अस्पताल कर्मियों का व्यवहार अक्सर ठीक नहीं रहता, जिसके कारण परिजनों को इस तरह की अपमानजनक स्थिति का सामना करना पड़ता है।

नवजात के शव को अस्पताल से ले जाने के लिए कहा गया- परिजन

जानकारी के अनुसार, सराईकेला थाना क्षेत्र के बंगरासाई गांव निवासी रामकृष्ण हेंब्रम अपनी पत्नी रीता तिरिया को प्रसव के लिए कुछ दिन पहले चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल लेकर आए थे. शनिवार को महिला ने बच्चे को जन्म दिया, लेकिन जन्म के कुछ ही देर बाद नवजात की मौत हो गई. परिजनों का आरोप है कि बच्चे की हालत बिगड़ने के बावजूद अस्पताल की ओर से समुचित देखभाल नहीं की गई. उनका कहना है कि नवजात की मौत के बाद अस्पताल प्रशासन ने परिवार को किसी प्रकार की मदद नहीं दी और शव को जल्द अस्पताल से ले जाने के लिए कहा.

पीड़ित पिता ने बच्चे के शव को गांव तक पहुंचाने के लिए एंबुलेंस या किसी वाहन की व्यवस्था करने की मांग की, लेकिन परिजनों के अनुसार अस्पताल की ओर से कोई सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई. मजबूरी में पिता ने पास में पड़े एक खाली कार्डबोर्ड के डिब्बे में अपने नवजात के शव को रखा और उसी में लेकर गांव के लिए निकल पड़ा. एक पिता को अपने नवजात के शव को इस तरह ले जाते देख वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं. घटना की जानकारी इलाके में फैलते ही ग्रामीणों में आक्रोश भी देखा गया. ग्रामीणों का कहना है कि यदि अस्पताल प्रबंधन चाहता तो मानवीय आधार पर शव को सम्मानपूर्वक घर तक पहुंचाने की व्यवस्था की जा सकती थी. ग्रामीणों और पीड़ित परिवार ने जिला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है. साथ ही परिवार को आर्थिक सहायता देने की भी मांग उठाई गई है. इधर, अस्पताल के चिकित्सा प्रभारी डॉ. अंशुमन शर्मा ने कहा कि पीड़ित परिवार ने शव ले जाने के लिए अस्पताल से किसी प्रकार की मदद नहीं मांगी थी. उनका कहना है कि यदि अस्पताल को इसकी जानकारी दी जाती तो ममता वाहन के माध्यम से शव को घर तक भेजने की व्यवस्था की जा सकती थी. उन्होंने कहा कि अस्पताल प्रशासन मरीजों को हरसंभव सुविधा देने का प्रयास करता है और भविष्य में ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए भी विशेष ध्यान दिया जाएगा. गौरतलब है कि इससे पहले चाईबासा सदर अस्पताल में इलाज के दौरान मृत एक बच्चे के शव को नोवामुंडी झोले में ले जाने की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। यह मामला झारखंड हाईकोर्ट तक पहुंचा था, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने जांच शुरू की थी। अब चक्रधरपुर की यह घटना स्वास्थ्य व्यवस्था पर फिर से गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

सरायकेला के आयुष कुमार ने यूपीएससी सिविल सर्विस परीक्षा में 143वीं रैंक हासिल की

सरायकेला, एजेंसी। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी सिविल सेवा परीक्षा के परिणामों में झारखंड के आयुष कुमार ने शानदार सफलता दर्ज की है. गम्हरिया स्थित टायो कॉलोनी के निवासी आयुष ने अखिल भारतीय स्तर पर 143वीं रैंक हासिल कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे राज्य का नाम रोशन किया है. सबसे खास बात यह है कि आयुष ने यह प्रतिष्ठित सफलता अपने पहले ही प्रयास में प्राप्त की है.

आयुष की प्रारंभिक शिक्षा टायो कॉलोनी स्थित विद्या ज्योति स्कूल से हुई, जहां उन्होंने दसवीं तक की पढ़ाई की. इसके बाद, उन्होंने बिस्टुपुर के चिन्मया विद्यालय से प्लस-टू की परीक्षा उत्तीर्ण की. उच्च शिक्षा के लिए वह छत्तीसगढ़ गए, जहां उन्होंने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (बिलासपुर) से 2023 में इंजीनियरिंग डिजाइन में बीटेक की डिग्री हासिल की. इंजीनियरिंग के बाद आयुष का चयन बेंगलुरु की एक नामी कंपनी में प्रोडक्ट डिजाइनर के पद पर हुआ. नौकरी की जिम्मेदारियों को निभाते हुए भी उनका लक्ष्य स्पष्ट था. उन्होंने महज डेढ़ साल की गंभीर तैयारी के साथ इस कठिन परीक्षा में जीत हासिल की. उनकी इस सफलता की खबर मिलते ही उनके आवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है. आयुष के पिता, प्रदीप कुमार, जो वर्तमान में दुर्गापुर स्थित न्यू मेटालिक्स कंपनी में सीनियर फोरमैन के पद पर कार्यरत हैं, अपने बेटे के इस उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहे हैं. आयुष की माता को कॉलोनी और आस-पास के लोग लगातार शुभकामनाएं दे रहे हैं.

रांची रोड पर जनरल स्टोर में लगी आग, करीब 10 लाख रुपए का सामान जलकर खाक

पलामू, एजेंसी। मेदिनीनगर शहर में रांची रोड रेडमा स्थित पानी टंकी के सामने शुक्रवार देर रात एक जनरल सह किराना स्टोर में आग लग गई, जिससे करीब 10 लाख रुपए की संपत्ति जलकर खाक हो गई। गर्मी बढ़ने के साथ ही आग लगने की घटनाओं में वृद्धि देखी जा रही है। एक सप्ताह के भीतर यह तीसरी घटना है। जानकारी के अनुसार, नागेंद्र पांडेय के परशुराम जनरल सह किराना स्टोर में शुक्रवार देर रात लगभग एक बजे आग लगी। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। घटना की जानकारी रात ढाई बजे मिलने पर दुकान मालिक और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया।

सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस दौरान आसपास की दुकानों और रिहायशी मकानों को आग की चपेट में आने से बचा लिया गया। बताया गया कि दुकान घनी आबादी वाले इलाके में स्थित होने के कारण आग फैलने का खतरा लगातार बना हुआ था। दुकान मालिक नागेंद्र पांडेय ने बताया कि वह पिछले चार वर्षों से यह दुकान चला रहे थे। इस हादसे में दुकान में रखा किराना व जनरल स्टोर का सामान, फ्रिज, राशन सामग्री, स्टेशनरी, खेल सामग्री, कोल्ड ड्रिंक सहित अन्य आवश्यक वस्तुएं पूरी तरह जलकर राख हो गईं। पांडेय के अनुसार, इस आगजनी में उनकी लगभग 10 लाख रुपए की पूंजी पूरी तरह बर्बाद हो गई है, जिससे उनके परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने पलामू जिला प्रशासन से मुआवजे और आर्थिक सहायता की मांग की है।

रांची मेयर रोशनी खलखो का संकल्प: 5 साल में बदलेगा शहर का स्वरूप, मोबाइल पर होगा हर समस्या का समाधान

रांची, एजेंसी। रांची की मेयर रोशनी खलखो ने शहर के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दी।

नगर निगम की प्राथमिकता पहले वर्तमान क्षेत्र को व्यवस्थित और बेहतर बनाना है, ताकि शहरवासियों को बुनियादी सुविधाएं आसानी से मिल सकें। मेयर ने बताया कि पूरे शहर को सुंदर और व्यवस्थित बनाने के लिए बड़े पैमाने पर सफाई, सड़क सुधार और सौंदर्यीकरण का काम किया जाएगा। इसके साथ ही नगर निगम के क्षेत्र का विस्तार करने के लिए राज्य सरकार से सहयोग लिया जाएगा।

उनका कहना है कि शहर का तेजी से विस्तार हो रहा है, इसलिए निगम क्षेत्र को भी बढ़ाना जरूरी है, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक नगर निगम की सेवाएं पहुंच सकें। रोशनी खलखो ने यह भी कहा कि नगर निगम की कार्यप्रणाली को लोगों के लिए आसान बनाया जाएगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि अब नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए निगम कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इसके बजाय नगर निगम के अधिकारी और वार्ड पार्षद खुद लोगों तक पहुंचेंगे और उनकी समस्याओं को मौके पर ही सुनकर समाधान करने की कोशिश करेंगे। गर्मी के मौसम में पानी की समस्या को नगर निगम की

बड़ी चुनौती बताते हुए मेयर ने कहा कि इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। शहर के विभिन्न इलाकों में बड़े पैमाने पर बोरिंग कराए जाएंगे और पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए टैंकरों की भी खरीदारी की जाएगी।

गुमला में कुएं में गिरने से युवक की मौत, नशे की हालत में पानी भरने गया था अमित उरांव

गुमला, एजेंसी। गुमला जिले के घाघरा थाना क्षेत्र के गम्हरिया बांग्ला टोली में कुएं में डूबने से करीब 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान अमित उरांव के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजन उसे आनन-फानन में घाघरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में शोक का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि यह हादसा शुक्रवार देर रात हुआ। युवक घर से करीब 100 मीटर दूर स्थित बारी के कुएं से पानी भरने गया था। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह कुएं में गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार घटना के समय अमित उरांव नशे की हालत में था। वह रात में पानी भरने के लिए कुएं पर पहुंचा था। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने के कारण वह सीधे कुएं में जा गिरे। काफी देर तक जब वह घर नहीं लौटे तो परिजनों को शक हुआ। खोजबीन के दौरान कुएं के पास उनकी मौजूदगी के संकेत मिले, जिसके बाद लोगों ने कुएं में तलाश की। बाहर निकालकर उन्हें तुरंत घाघरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। बताया जाता है कि अमित उरांव मूल रूप से हापामुनि गांव का रहने वाला था। कुछ समय से वह गम्हरिया बांग्ला टोली स्थित अपने ससुराल में रह रहा था। वहीं यह हादसा हुआ।

घटना की सूचना मिलने पर घाघरा थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर थाने ले गई। घाघरा थानेदार मोहन कुमार सिंह ने बताया कि युवक की मौत कुएं में डूबने से हुई है। रात अधिक होने के कारण शव को थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया था। शनिवार को शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेज दिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। मृतक अमित उरांव अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं। वह परिवार के भरण-पोषण के लिए मुख्य रूप से खेती-बाड़ी और मजदूरी का काम करता था।

सीएम हाउस पर भाजपा के आरोपों को कांग्रेस ने बताया निराधार, सेंट्रल विस्टा पर चुप्पी पर उठाए सवाल

रांची, एजेंसी। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा के आरोपों को निराधार, भ्रामक और जनता का ध्यान भटकाने वाला करार दिया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन को वापस पाने के लिए अब झूठ की फैक्ट्री बन गई है। भाजपा के प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव के आरोपों का जवाब देते हुए कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं, बल्कि एक सरकारी संस्थान है।

जो आवास बन रहा है, वह भविष्य की जरूरतों और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है। भाजपा जिस शीशमहल की बात कर रही है, वह दरअसल राज्य की गरिमा और प्रशासनिक आवश्यकता का हिस्सा है। उन्होंने सवाल किया कि जो भाजपा आज 100 करोड़ के खर्च पर विलाप कर रही है, उसने प्रधानमंत्री के लिए बन रहे हजारों करोड़ के सेंट्रल विस्टा और आलीशान विमानों पर चुप्पी क्यों साधे रखी झारखंड में भाजपा के शासनकाल के दौरान हाथी उड़ाने और मोमेंटम झारखंड के नाम पर जो करोड़ों की लूट हुई, क्या भाजपा के प्रवक्ता भूल गए हैं सुप्रीम कोर्ट ने जमीन घोटाला मामले में आरोपित आइएएस विनय कुमार चौबे की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए झारखंड सरकार को नोटिस जारी किया है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की खंडपीठ ने राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले में अगली सुनवाई 23 मार्च को होगी। इसके पूर्व झारखंड हाई कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

इसके बाद विनय कुमार चौबे ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। विनय चौबे हजारीबाग में सेवायत भूमि की कथित अवैध खरीद-बिक्री के मामले में जेल में बंद हैं।

रांची विश्वविद्यालय: बिना शिक्षक के है सिमडेगा और मांडर कॉलेज, छात्र छात्राओं की बढ़ी परेशानी

रांची, एजेंसी। रांची यूनिवर्सिटी में नागपुरी भाषा की शिक्षा व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। कोर्ट के आदेश और जेपीएससी की अनुशंसा के बाद पीजी नागपुरी विभाग में डॉ. मनोज कुमार कच्छप ने योगदान दे दिया है।

उल्लेखनीय है कि असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए आवेदन करने वाले सभी अभ्यर्थियों में सर्वाधिक एकेडमिक प्वाइंट प्राप्त करने के बावजूद डा. कच्छप को अपनी नियुक्ति के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा। अंततः न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद जेपीएससी ने आरयू में उनकी नियुक्ति की अनुशंसा की।

हालांकि, अनुशंसा के बाद भी यह नियुक्ति प्रस्ताव कई माह तक आरयू की सिंडिकेट से स्वीकृति की प्रतीक्षा में लंबित रहा। अब जाकर उन्होंने पीजी नागपुरी विभाग में योगदान दिया है। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया के बीच एक गंभीर सवाल खड़ा हो गया है।

सिमडेगा कॉलेज और मांडर कालेज जैसे संस्थानों में नागपुरी विषय के लिए एक भी स्थायी या नीड बेस्ड शिक्षक उपलब्ध नहीं है। वहां स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के छात्र बिना शिक्षक के ही पढ़ाई करने को मजबूर हैं। इसके बावजूद आरयू प्रशासन ने नियुक्ति वहां कर दी, जहां पहले से ही तीन शिक्षक कार्यरत हैं। शिक्षा जगत के लोगों का कहना है कि यह निर्णय न केवल प्रशासनिक असंतुलन को दर्शाता है, बल्कि

नागपुरी भाषा और उससे जुड़े छात्रों के भविष्य के साथ भी अन्याय है। बता दें कि इससे पूर्व भी डोरंडा कालेज में तीन शिक्षकों के रहते चौथे शिक्षक के रूप में योगेश कुमार महतो की नियुक्ति कर दी गई थी, जबकि उस समय भी सिमडेगा और मांडर कालेज में नागपुरी विषय के लिए एक भी स्थायी या नीड बेस्ड शिक्षक नहीं था। बार-बार वही स्थिति दोहराये जाने से यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर जिन कालेजों में नागपुरी विषय की पढ़ाई पूरी तरह शिक्षक विहीन है, वहां नियुक्ति को प्राथमिकता क्यों नहीं दी जा रही है। शिक्षाविदों और भाषा प्रेमियों का कहना है कि यह स्थिति नागपुरी भाषा के विकास के लिए भी घातक है। एक ओर सरकार और यूनिवर्सिटी क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर जिन कॉलेजों में छात्र शिक्षक के अभाव में जूझ रहे हैं, वहां कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है।

सिमडेगा और मांडर कालेज के छात्र लंबे समय से शिक्षक की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी आवाज अब तक अनसुनी है। ऐसे में राज्यपाल, मुख्यमंत्री और उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग से अपेक्षा है कि वे इस मामले का गंभीर संज्ञान लें और जिन कालेजों में नागपुरी विषय के छात्र बिना शिक्षक के पढ़ाई कर रहे हैं, वहां शीघ्र शिक्षक की नियुक्ति सुनिश्चित करें।

नक्सली संगठन के नाम पर भेजा गया पासपोर्ट ऑफिस को ई-मेल

रांची, एजेंसी। सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के ग्लैक्सिया मॉल स्थित पासपोर्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी दिए जाने के बाद सीपीआई 9 माओवादी आरना अश्विन शेखर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई है। धमकी भरा ई-मेल आने की जानकारी मिलते ही पासपोर्ट ऑफिस समेत पूरे ग्लैक्सिया मॉल परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कोतवाली डीएसपी व सुखदेवनगर थानेदार खुद पूरे मामले की जांच में जुटे हैं। सुखदेवनगर थाने में तैनात दारोगा प्रकाश सिंह के लिखित आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि 6 मार्च को वरीय पुलिस पदाधिकारी के माध्यम से एक ई-मेल की प्रति प्राप्त होने की जानकारी मिली। नक्सलवाड़ी बस्तर विंग के नाम से भेजे गए ई-मेल में कहा गया कि पासपोर्ट ऑफिस में 12 जहरीले गैस बम बलास्ट होंगे। उदयनिधि ने रेप और मोलेस्टेशन किया। चेन्नई पुलिस एफआईआर नहीं ले रही है। इस प्रकार के धमकी भरा ई-मेल मिलने से जान-माल के क्षति होने की प्रबल संभावना जताई गई है। टेक्निकल सेल की मदद से पुलिस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी की घोषणा: अब मंत्रियों और विधायकों को भी मिलेंगी आईएएस-आईपीएस जैसी स्वास्थ्य सुविधाएं

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने राज्य के मंत्रियों, विधायकों, पूर्व विधायकों तथा उनके परिवारों के लिए एक बड़ा और महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए कहा कि अब उन्हें भी आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की तर्ज पर बेहतर एवं समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी.

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने जानकारी देते हुए कहा कि यह महत्वपूर्ण निर्णय झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मार्गदर्शन और सहमति से लिया गया है. इसके लिए नई नियमावली का प्रारूप तैयार कर लिया गया है, जिसे जल्द ही कैबिनेट की मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया जाएगा.

राज्य के मंत्रियों, विधायकों, पूर्व विधायकों एवं उनके परिवारों को आईएएस-आईपीएस अधिकारियों की तर्ज पर स्वास्थ्य सुविधा की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी.

नई नियमावली के तहत उन्हें उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा और चिकित्सा खर्च की प्रतिपूर्ति का लाभ मिलेगा.

यह व्यवस्था ऑल इंडिया सर्विसेज मेडिकल अटेंडेंस रूल्स, 1954 की तर्ज पर लागू की जाएगी. चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति का भुगतान झारखंड विधानसभा सचिवालय के माध्यम से किया जाएगा.नई व्यवस्था लागू होने के बाद देश के विभिन्न अस्पतालों में बेहतर और कैशलेस इलाज की सुविधा प्राप्त करना आसान होगा.

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने बताया कि स्वास्थ्य की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है. जब राज्य का स्वास्थ्य विभाग आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराता है, तो मंत्रियों, विधायकों और पूर्व विधायकों को भी उसी स्तर की व्यवस्था मिलनी चाहिए.

उन्होंने बताया कि कई जनप्रतिनिधियों ने इलाज के दौरान आने वाली कठिनाइयों और अस्पतालों में पर्याप्त कवरेज न मिलने की समस्या से उन्हें अवगत कराया था, इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए गहन अध्ययन और विचार-विमर्श के बाद पुरानी व्यवस्था को समाप्त कर नई नियमावली लागू करने का निर्णय लिया गया है.

झारखंड सरकार पहले से ही राज्य के सरकारी कर्मचारियों और अधिवक्ताओं को स्वास्थ्य बीमा का लाभ प्रदान कर रही है. अब नई व्यवस्था लागू होने के बाद मंत्रियों, विधायकों और पूर्व विधायकों को भी अधिक व्यापक, पारदर्शी और प्रभावी स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी. स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि यह निर्णय जनप्रतिनिधियों के स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को और व्यवस्थित तथा आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

नाबालिग को अगवा कर तीन दिन तक किया दुष्कर्म, पुलिस के शिकंजे में 3 आरोपी

पाकुड़, एजेंसी। जिला के मालपहाड़ी आउटपोस्ट क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इस घटना की पुष्टि एसपी निधि द्विवेदी ने शनिवार को पत्रकार सम्मेलन कर दी. बता दें कि ये वारदात 17 फरवरी को हुई थी और 6 मार्च को पीड़िता के द्वारा थाना में आवेदन दिया गया. जिसके आलोक में पुलिस के द्वारा ये कार्रवाई की गयी.

इस कार्रवाई को लेकर पाकुड़ एसपी निधि द्विवेदी ने प्रेस वार्ता की. जिसमें एसपी ने बताया कि मालपहाड़ी ओपी क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की को कुछ युवकों ने जबरन ट्रक में उठा लिया था और दो दिन तक उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया. जब पीड़िता घर लौटी तो घटना की जानकारी परिजनों को दी. एसपी ने बताया कि घटना को लेकर पीड़िता के परिजनों ने गांव में पहले पंचायती की और उसके बाद थाना में शिकायत की.

थाना में शिकायत मिलते ही प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर एक टीम का गठन किया गया. छापेमारी टीम में शामिल पुलिस अधिकारियो ने दशरथ किस्कू, सकल टुडू एवं प्रधान मरांडी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया जबकि अन्य तीन की गिरफ़्तारी को लेकर संभावित ठिकानो पर छापेमारी की जा रही है. एसपी ने बताया कि जिस हाइवा से युवती को जबरन उठाकर ले गया था उस वाहन को जब्त कर लिया गया है. एसपी ने बताया कि पीड़िता का मेडिकल जांच कराया गया है और वह स्वस्थ है. एसपी निधि द्विवेदी ने बताया कि 6 मार्च को नाबालिग लड़की ने मालपहाड़ी थाना में आवेदन देकर आरोप लगाया कि 17 फरवरी को दुकान से सामान लेने के दौरान गांव के चार और अन्य दो युवकों के द्वारा जबरन उसे उठाकर हाइवा में ले गये और अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया. इस आवेदन पर पुलिस ने एसआईटी का गठन कर तकनीकी सहयोग से तीन अभियुक्त को गिरफ्तार करने में पुलिस ने सफलता हासिल की है. इसके साथ ही कांड में इस्तेमाल हाइवा ट्रक को भी जब्त कर लिया गया है. इसके अलावा बाकी तीन आरोपियों की धर-पकड़ के लिए छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है. इस छापेमारी दल में मालपहाड़ी ओपी प्रभारी राहुल कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक परमहंस प्रसाद, सहायक अवर निरीक्षक मंगल किस्कू, सुभजीत कुमार, अयोध्या राम, प्रदीप कुमार, सुनील रजक दलबल शामिल रहे.

24 स्कूलों में रिक्त सीटों के विरुद्ध नहीं मिला एक भी आवेदन

रांची, एजेंसी। जिला प्रशासन द्वारा निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में प्रवेश कक्षा (प्रथम कक्षा या प्री-प्राइमरी, जहां लागू हो) की 25 प्रतिशत सीटों पर वंचित समूह एवं कमजोर वर्ग के लिए निःशुल्क नामांकन की प्रक्रिया जारी है।

इसे लेकर शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए 15 फरवरी को विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पोर्टल के माध्यम से की जा रही है। आवेदन की अंतिम तिथि 15 मार्च है।

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर जिला स्तर पर सभी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारियों के साथ प्रखंडवार आवेदन की समीक्षा बैठक की गई। समीक्षा के दौरान पाया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित विद्यालयों में आवेदन विशेष रूप से कम हैं। कई विद्यालयों में रिक्त सीटों के विरुद्ध कम आवेदन प्राप्त हुए हैं। विशेष रूप से 24 विद्यालयों में रिक्त सीटों के विरुद्ध एक भी आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है (इन विद्यालयों की सूची संबंधित विभाग/पोर्टल पर उपलब्ध है)। इस पर चिंता जताई गई है।

कुल 117 मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में 1161 आरक्षित सीटें घोषित की गई हैं। अब तक पोर्टल पर 383 छात्रों द्वारा 1059 सीटों के लिए आवेदन प्राप्त हुए हैं। कई विद्यालयों में रिक्त सीटों के विरुद्ध आवेदन कम प्राप्त हुए हैं।

विशेष रूप से 24 विद्यालयों में रिक्त सीटों के विरुद्ध एक भी आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है (इन विद्यालयों की सूची संबंधित विभाग/पोर्टल पर उपलब्ध है)।

आवेदन प्रक्रिया में किसी प्रकार की सहायता के लिए पोर्टल पर उपलब्ध हेल्पलाइन नंबरों या स्थानीय नोडल पदाधिकारी से संपर्क किया जा सकता है। पोर्टल पर विद्यालयवार सीटों की सूची, आवेदन की स्थिति आदि की जानकारी उपलब्ध है।

कम आवेदन मिलने की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी प्रखंडों को ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया है, ताकि अधिक से अधिक पात्र बच्चों तक इस योजना का लाभ पहुंच सके। इसके तहत ग्राम सभाओं, आंगनवाड़ी केंद्रों, पंचायत भवनों और अन्य स्थानीय मंचों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाने को कहा गया है। इसके लिए प्रत्येक प्रखंड में नोडल पदाधिकारी नामित किए गए हैं, जो आवेदन प्रक्रिया की निगरानी और समन्वय का कार्य करेंगे। इन पदाधिकारियों की जिम्मेदारी होगी कि वे जागरूकता बढ़ाने पर जोर दें।

15 मार्च आवेदन करने की अंतिम तिथि है। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पोर्टल के माध्यम से की जा रही है। ग्राम सभाओं, आंगनवाड़ी केंद्रों, पंचायत भवनों और अन्य स्थानीय मंचों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है।

रांची के डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने शनिवार को समाहरणालय परिसर के विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। जिन कर्मचारियों के बारे में यह पाया गया कि वे कार्यालय प्रधान को पूर्व सूचना दिए बिना अनुपस्थित रहे, उनके विरुद्ध संबंधित कार्यालय प्रधानों को शो-कॉज नोटिस जारी करने का निर्देश दिया गया। सहायक अर्जुन मुंडा तथा जिला कल्याण शाखा के ललिता कुमार महतो एवं विकास जायसवाल को शो-कॉज नोटिस जारी किया गया। आईडी कार्ड एवं नेमप्लेट नहीं लगाने पर भी चेतावनी दी गई।

डिप्टी मेयर की दौड़, रांची उपमहापौर को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की कमेटी पर रार!

रांची, एजेंसी। झारखंड में 48 शहरी नगर निकाय चुनाव के नतीजे आने के बाद अब राजनीतिक दलों का ध्यान उपमहापौर (डिप्टी मेयर) और नगर परिषद-नगर पंचायतों के उपाध्यक्ष पद को लेकर है. इसको लेकर दौड़ भी तेज हो गयी है. दलीय आधार पर नगर निकाय के चुनाव नहीं होने के बावजूद प्रायः सभी महत्वपूर्ण राजनीतिक दलों ने इस चुनाव में अपने समर्थित प्रत्याशी उतारे थे. बल्कि पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने दल समर्थित उम्मीदवारों के लिए खूब पसीना भी बहाया था. ऐसे में अब सभी राजनीतिक दलों ने अपना पूरा ध्यान उपमहापौर पद को लेकर लगा दिया है. नगर परिषद, नगर पंचायत के उपाध्यक्ष पद पर भी अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेता अपनी जीत सुनिश्चित करना चाहते हैं.

इस सबके बीच झारखंड कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के द्वारा रांची नगर

निगम उपमहापौर के लिए बेहतर को-ऑर्डिनेशन के लिए 15 सदस्यीय टीम गठित की है. ये टीम रांची डिप्टी मेयर पद के लिए कांग्रेस के विचारधारा वाले योग्य पार्षद के लिए समन्वय बनाएगा.

अब प्रदेश अध्यक्ष के इसी आदेश पर भी सवाल उठने लगे हैं कि इस तरह की कमेटी सिर्फ रांची के डिप्टी मेयर पद के लिए क्यों बनाया गया है. इसे तो हर जिलों में बनना चाहिए न कि सिर्फ रांची के लिए. सिर्फ रांची डिप्टी मेयर के क्यों बनी कमेटी- जगदीश साहू झारखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता जगदीश साहू ने सिर्फ रांची के उप महापौर पद को लेकर बनाये गए पार्टी कमेटी के औचित्य पर सवाल खड़ा किया. उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि राज्य के सभी नगर निगम और नगर परिषद-नगर पंचायत के डिप्टी मेयर/उपाध्यक्ष पद पर कांग्रेस की नीति सिद्धांत के करीब वाले पार्षद की जीत सुनिश्चित करने के लिए कमेटी बननी चाहिए. जिससे बेहतर समन्वय के साथ ज्यादा से ज्यादा हमारे लोग उपमहापौर या उपाध्यक्ष बन सके. जगदीश साहू ने उम्मीद जताई कि रांची के बाद अन्य नगर निकाय क्षेत्र के लिए भी जल्द अध्यक्ष केशव महतो कमलेश रांची की तरह कोऑर्डिनेशन कमिटी गठित कर देंगे.

होली के बाद काम पर लौटना चुनौती: ट्रेन में टिकट कंफर्म नहीं, फ्लाइट किराया 13 हजार रुपए तक

रांची, एजेंसी। होली का त्योहार मनाने अपने घर झारखंड आए लाखों लोगों के लिए वापस महानगर लौटना काफी चुनौतीपूर्ण हो गया है। ट्रेनों में कंफर्म टिकट नहीं मिलने के कारण उनकी परेशानी बढ़ गई है, लेकिन सबसे ज्यादा झटका उन्हें प्लेन के बढ़े हुए किराए से लग रहा है। दिल्ली, मुंबई और अन्य महानगरों के लिए उड़ानों में सीटें सीमित हैं और किराया दोगुना से ढाई गुना तक बढ़ गया है। उदाहरण के तौर पर, दिल्ली जाने का किराया 10,000-12,000 रुपए, मुंबई के लिए 9,000-13,000 रुपए और चेन्नई-बेंगलुरु के लिए 8,000-12,000 रुपए तक पहुंच गया है। बढ़े हुए किराए और सीमित विकल्पों के कारण यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। झारखंड रेल यूजर्स ने सुझाव दिया है कि दक्षिण भारत के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जानी चाहिए, ताकि पढ़ाई करने वाले छात्र और नौकरीपेशा लोग, जो होली पर अपने घर आए हैं, वापस पहुंच सकें। झारखंड टूर एंड ट्रैवल एसोसिएशन के सह सचिव शंकर रॉय ने होली के अवसर पर यात्रा की समस्याओं पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि महानगरों से घर लौटने वाले लोगों को ट्रेनों में टिकट नहीं मिल रही है और विमानों में सीटों की उपलब्धता भी कम हो गई है। प्लेन का किराया दोगुना से ढाई गुना तक बढ़ गया है, जबकि अन्य विकल्प उपलब्ध नहीं हैं। इस कारण यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। शंकर रॉय ने लोगों से संयम और धैर्य रखने का आग्रह किया और कहा कि स्थिति धीरे-धीरे सामान्य होगी। झारखंड रेल यूजर्स के सह सचिव ने कहा कि चेन्नई और बेंगलुरु के लिए स्पेशल ट्रेन चलनी चाहिए थी, क्योंकि झारखंड से लाखों लोग दक्षिण भारत में पढ़ाई या नौकरी करते हैं। रांची में होली मनाकर वापस जाने वाले कई लोग यात्रा संकट का सामना कर रहे हैं। मृत्युंजय गुप्ता ने कहा कि वह घर आए थे, लेकिन कंफर्म ट्रेन टिकट नहीं मिल रही और प्लेन का किराया भी काफी बढ़ गया है। संकेत प्रधान को चेन्नई लौटना है, लेकिन कंफर्म टिकट नहीं मिलने के कारण वह परेशान हैं; उनकी परीक्षा भी वहीं है। इसी तरह कुमार अभिषेक, जो नोएडा में नौकरी करते हैं, रांची से वापस नहीं जा पा रहे हैं। यात्रियों की बढ़ती संख्या और सीमित उपलब्धता के कारण लोग लंबा इंतजार कर रहे हैं और छुट्टियों के बाद की यात्रा और चुनौतीपूर्ण बन गई है।

शातिर अपराधियों ने दिया था शराब दुकान में फायरिंग को अंजाम, पुलिस ने तीन को दबोचा

रांची , एजेंसी। राजधानी रांची के अनगड़ा में होली के एक दिन पहले शराब दुकान में बेखौफ होकर फायरिंग करने वाले अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है. फायरिंग में इस्तेमाल किए गए हथियार भी पुलिस ने बरामद कर लिए हैं. रांची के ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर की अगुवाई में तीनों अपराधियों को गिरफ्तार किया गया.

रांची पुलिस के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 3 मार्च की रात सूचना प्राप्त हुई कि अनगड़ा थाना के गेतलसूद बाजार में स्थित अनुज्ञप्ति प्रदत शराब की कम्पोजिट दुकान पर तीन अपराधियों द्वारा फायरिंग की गई है. सूचना के बाद रांची एसएसपी के द्वारा ग्रामीण एसपी के निर्देशन में सिल्ली डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया. टीम ने त्वरित कार्रवाई करते जोन्हा मुर्गी पोल्ट्री फोर्म के पास छापामारी की और घटना में संलिप्त तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया.

गिरफ्तार अपराधियों में देव सिंह मुंडा, गौतम यादव उर्फ गोल्डन यादव और भोलू सोनी उर्फ भोलू वर्मा शामिल हैं. इनके पास से कांड में प्रयुक्त एक देसी रिवाल्वर, एक देसी कट्टा तथा 19 जिंदा कारतूस और 04 मोबाईल तथा एक पल्सर मोटरसाईकिल को बरामद किया गया.

रांची के ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि अभियुक्तों से पूछताछ के क्रम में पता चला कि 3 मार्च को तीनों व्यक्ति गेतलसूद शराब दुकान गए थे, वे वहां के स्टाफ को धमकाते हुए शराब की बोतल की मांग करने लगे. जब स्टाफ ने शराब देने से मना किया. तो इन्होंने गाली-गलौज करते हुए उसपर फायरिंग कर दी.

उस दौरान स्टाफ ने किसी तरह काउंटर के पीछे छिप कर अपनी जान बचाई. ग्रामीण एसपी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है. रांची सहित राज्य के विभिन्न थानों में उग्रवादी कांडों में भी यह अपराधी लिप्त थे.

गिरिडीह में पेड़ के नीचे मिला युवक का शव

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह के कजरो-पिंडाटांड़ मुख्य मार्ग पर रविवार सुबह एक पेड़ के नीचे 22 वर्षीय युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। यह घटना पचम्बा थाना क्षेत्र के पिंडाटांड़ से कुछ आगे की बताई जा रही है। सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले कुछ लोगों की नजर सड़क किनारे पेड़ के नीचे पड़े एक युवक पर पड़ी। शुरुआत में लोगों को लगा कि वह बेहोश है, लेकिन पास जाकर देखने पर उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद आसपास के ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी गई और देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने तत्काल गांव के मुखिया को सूचना दी, जिसके बाद पचम्बा थाना पुलिस को मामले की जानकारी दी गई।

सूचना मिलते ही पचम्बा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की। बाद में शव की पहचान बेंगाबाद थाना क्षेत्र के बडीयाबाद निवासी 22 वर्षीय इब्राहीम अंसारी उर्फ कारू अंसारी के रूप में हुई। उनके पिता का नाम रहमान अंसारी बताया गया है।

पहचान होने के बाद परिजनों को सूचना दी गई, जिसके बाद वे भी मौके पर पहुंच गए। परिजनों के पहुंचते ही माहौल गमगीन हो गया और परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल था। घटना की खबर इलाके में तेजी से फैल गई, जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंच गए।

परिजनों ने बताया कि कारू अंसारी पेशे से ट्रैक्टर चालक था और ट्रैक्टर चलाकर ही अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। शनिवार रात वह किसी काम की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। इसके बाद परिवार के लोग रातभर उसकी तलाश करते रहे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। रविवार सुबह शव मिलने की सूचना से परिवार में मातम छा गया।

मृतक के पिता रहमान अंसारी ने बेटे की हत्या की आशंका जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। इधर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पचम्बा थाना लाया है और पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। पचम्बा थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

बेटे ने पिकनिक जाने की जिद की तो पिता ने गला घोंटा, फिर सामाजिक बहिष्कार के डर से किया सुसाइड

रांची, एजेंसी। नामकुम थाना क्षेत्र में सामने आए बच्चे की हत्या के मामले में पुलिस जांच के दौरान कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। जांच में पता चला है कि आरोपित जगाई मुंडा ने बच्चे की हत्या पूर्व योजना के तहत की थी और घटना के बाद साक्ष्य मिटाने की भी पूरी कोशिश की थी।

पुलिस के अनुसार, आरोपित ने बच्चे का गला उसकी ही टाई से घोंटकर हत्या की थी। मौके पर आरोपित को रस्सी नहीं मिला था। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपित ने हत्या से पहले बच्चे को अपने साथ रामगढ़ ले जाकर एक होटल में नाश्ता कराया था।

बच्चे से कहा गया था कि उसे पिकनिक पर जाना है। पुलिस के अनुसार, घटना को अंजाम देने के बाद आरोपित ने बच्चे की किताबों से उन पन्नों को फाड़ दिया था, जिन पर उसका नाम लिखा हुआ था।

ऐसा उसने इस उद्देश्य से किया था, ताकि बच्चे की पहचान और घटना से जुड़े सुराग पुलिस तक आसानी से न पहुंच सकें। पुलिस ने बच्चे का पूरा सामान बरामद कर लिया गया है। बरामद सामान में उसकी किताबें, बैग और अन्य व्यक्तिगत वस्तुएं शामिल हैं।

पुलिस जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि हत्या के बाद आरोपी मानसिक रूप से काफी परेशान था। ग्रामीणों की ओर से उसे गांव से बहिष्कार किए जाने की चेतावनी दी गई थी। इस सूचना के बाद वह काफी तनाव में आ गया था। इसी मानसिक दबाव के कारण उसने बाद में आत्महत्या कर ली। पुलिस का कहना है कि आरोपित अपने किए गए अपराध को लेकर भी मानसिक रूप से अस्थिर हो गया था। मृतक का बच्चा मामा बोलकर पुकारता था। इस वजह से बच्चे का जब अपहरण हुआ तो वह आसनी से बाइक पर बैठकर रामगढ़ चला आया। रांची जिले के कई थानों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरे अब खुद ही लापरवाही की तस्वीर पेश कर रहे हैं। अधिकांश थानों में कैमरे तो लगे हुए हैं, लेकिन उनमें से कई खराब पड़े हैं और कई जगह मॉनिटर भी काम नहीं कर रहे हैं। इससे थानों की निगरानी व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

नामकुम थाना के हाजत में जगई द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना के बाद सीसीटीवी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। बताया जा रहा है कि हाजत के पास तैनात संत्री को पहले ही सतर्क रहने और ठीक से ड्यूटी करने के लिए कहा गया था, लेकिन वह कुर्सी पर बैठे-बैठे सो गया। इसी दौरान यह घटना हो गई।

मुख्य रूप से सदर थाना, हिंदपीढ़ी थाना और बरियातू थाना समेत कई थानों की स्थिति लगभग एक जैसी बताई जा रही है। इन थानों में लगे कई कैमरे तकनीकी खराबी के कारण बंद हैं। पुलिसकर्मियों के अनुसार, कई बार मरम्मत के लिए सूचना दी गई है, लेकिन समस्या का समाधान समय पर नहीं हो पा रहा है।

हजारीबाग पुलिस का बड़ा खुलासा, गाड़ी से कुचल कर नहीं मारपीट में हुई थी मौत

हजारीबाग, एजेंसी। जिला में बड़कागांव थाना क्षेत्र के नापोखुर्द मैं आठ लोगों को कुचलने के मामले का खुलासा कर दिया है. इस घटना में दो लोगों की घटनास्थल पर मौत भी हो गई थी और 6 लोग जो घायल हुए थे. उनका इलाज हजारीबाग और रिम्स में चल रहा है.

इस मामले में पुलिस में कुल 7 लोगों को गिरफ्तार किया है. पूरी घटना के पीछे आपसी मतभेद बताया है. हजारीबाग एसपी ने स्पष्ट किया है कि गाड़ी कुचलना से नहीं बल्कि मारपीट से दो लोगों की मौत हुई थी और छह लोग घायल हुए थे.

हजारीबाग के बड़कागांव थाना क्षेत्र के नापोखुर्द में 5 मार्च को दिल दहलाने वाली घटना घटी. जहां चार पहिए वाहन ने 8 लोगों को कुचल देने की बात प्रकाश में आई थी. जिसमें दो लोगों की मौत हो गई थी. इस घटना को लेकर हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन ने एसआईटी का गठन किया था. पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए 7 लोगों को गिरफ्तार करते हुए घटना का उद्भेदन कर दिया है. एसपी ने बताया कि घटना के पीछे आपसी मतभेद था. हजारीबाग एसपी अंजनी

अंजन ने बताया कि अनुसंधान के क्रम में पाया गया कि विकास कुमार का पूर्व में ईटा भट्ठा के व्यापार करने के क्रम में विनोद साव, संजय साहू, रोहित साहू से विवाद चल रहा था. जिस कारण उन लोगों के बीच बराबर तनाव बना रहता था. इसी विवाद को लेकर आरोपी विकास कुमार उक्त तीनों लोगों से काफी गुस्से में था.

इसी क्रम में 4 मार्च को होली मनाने के दौरान विकास कुमार रांची से अपना घर नापोखुर्द आया था .उस दिन भी विनोद साव,संजय साव एवं अन्य लोगों के बीच कुछ बात को लेकर विवाद हुआ था. इसके बाद विकास कुमार और उनके दोस्तों ने मिलकर इसका बदला लेने के लिए रणनीति बनायी. आरोपी विकास कुमार, प्रभात कुमार, कुलदीप कुमार, दीपक कुमार, पारसनाथ महतो, घनश्याम कुमार, नागेंद्र गंझू ने मिलकर बदला लेने के लिए लाठी-डंडे के साथ उनके घर बदला लेने निकल गये. रास्ते में ही डीजे बजाकर सभी नाच रहे थे. ऐसे में विकास कुमार तेजी से स्कॉर्पियो चलाते हुए उन लोगों पर गाड़ी चढ़ा दी. फिर वाहन रोककर गाड़ी में रखे हुए लाठी, लोहे के रड और पाइप से विनोद साव एवं अन्य लोगों के साथ मारपीट करने लगा. मारपीट के क्रम में ही रोहित कुमार और प्रदीप कुमार की घटनास्थल पर मौत हो गई. इस मारपीट में 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. इस घटना को अंजाम देने के बाद विकास कुमार अपने साथियों के साथ स्कॉर्पियो गाड़ी से बैठकर तेजी से भाग रहा था. इसी क्रम में गाड़ी अनियंत्रित होकर बिजली के खंबे से टकराकर पलट गई. जिसके बाद सभी आरोपी गाड़ी से निकलकर भाग गए. हजारीबाग पुलिस ने स्पष्ट किया है कि स्कॉर्पियो वाहन से कुचल की मौत नहीं हुई है. घटना के पीछे आपसी मतभेद है. गाड़ी के मालिक के बारे में जानकारी मिल चुकी है. बहुत जल्द उसकी गिरफ्तारी होगी. दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी में पुलिस लिखा हुआ एक बोर्ड पाया गया है.आखिर वह बोर्ड कैसे लगाया गया इस बिंदु पर भी जांच की जा रही है.

जामताड़ा में छात्र ने लगाई फांसी, गणित की परीक्षा देकर लौटा था घर

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा जिले के मिहिजाम थाना क्षेत्र के बादोलीगढ़ में शनिवार रात एक 14 वर्षीय छात्र ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान आयुष शर्मा के रूप में हुई है। वह चित्तरंजन स्थित संत जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल का छात्र था। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है।

जानकारी के अनुसार आयुष शनिवार को वार्षिक परीक्षा के तहत गणित का पेपर देकर घर लौटा था। रात करीब 8 बजे उसने अपने कमरे में एल्युमिनियम की सीढ़ी के सहारे छत के हुक में रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय उसकी मां और नानी मिहिजाम बाजार गई हुई थीं, जिसके कारण वह घर में अकेला था।

परिजनों के अनुसार जब आयुष की मां और नानी बाजार से वापस घर लौटीं तो उन्होंने कमरे का दरवाजा खोला। कमरे के अंदर का दृश्य देखकर वे सन्न रह गईं। आयुष रस्सी के फंदे से झूल रहा था। यह देख दोनों ने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।

स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी। घटना की खबर फैलते ही मोहल्ले में भीड़ जुट गई और लोग स्तब्ध रह गए। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने किसी तरह परिवार को संभालने की कोशिश की।

सूचना मिलने के बाद मिहिजाम थाना पुलिस रात करीब 9:30 बजे घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पीपल का पेड़ गिरने से चपेट में आया पूरा परिवार, 4 लोग दबे

सीतामढ़ी, एजेंसी। बिहार के सीतामढ़ी में पेड़ गिरने से हादसा हुआ है. विशाल पेड़ की गिरने से दबकर एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं. सभी घायलों को स्थानीय निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया है. जहां उनका इलाज चल रहा है.

पेड़ गिरने से मौतः मामला जिले के पुनौरा थाना क्षेत्र के रामपुर परोरी वार्ड नंबर-17 में हुआ है. बताया जा रहा है कि सभी लोग घर के पास बैठे हुए थे, इसी बीच पुराना पीपल का विशाल पेड़ अचानक गिर गया. वहां बैठे लोग जब तक समझ पाते, तब तक सभी लोग पेड़ की चपेट में आ गए.

घटना में तीन लोग घायलः इस हादसे में एक शख्स की मौत हो गई है. मृतक की पहचान वकील बैठा (35 वर्ष) के तौर पर हुई है, जो दिव्यांग थे. घायलों में मृतक की मां मालती देवी, पिता शिवधारी बैठा और भाई पंकज बैठा शामिल हैं, जो नीचे दब गए थे. स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकाला और प्राइवेट क्लीनिक में भर्ती कराया है.

क्या बोले मृतक के भाईः मृतक के भाई संतोष बैठा ने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है. उन्होंने बताया कि कई बार पेड़ को लेकर विभाग से शिकायत की थी लेकिन पेड़ को नहीं हटाया गया. अगर समय रहते पीपल के पेड़ को हटा लिया जाता तो मेरे भाई की जान नहीं जाती.

वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन ने घटनास्थल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया. पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है. घटना शुक्रवार सुबह 4:00 बजे की बताई जा रही है.

'बिहार में राष्ट्रपति शासन और सीमांचल को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की तैयारी', पप्पू यादव ने बीजेपी पर लगाए आरोप

पटना, एजेंसी। पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने बिहार की राजनीति में एक नया राजनीतिक मुद्दा खड़ा कर दिया है। उन्होंने दावा किया है कि आने वाले समय में बिहार में राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है और इसके बाद सीमांचल क्षेत्र तथा पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों को मिलाकर एक नया केंद्र शासित प्रदेश बनाने की योजना पर काम हो रहा है।

सांसद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि पहले पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने की रणनीति बनाई जा सकती है। इसके बाद बिहार विधानसभा से प्रस्ताव पारित कर सीमांचल इलाके के साथ पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों को जोड़कर एक नया प्रशासनिक ढांचा तैयार किया जा सकता है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इसी बड़ी रणनीति के तहत बिहार में सत्ता परिवर्तन और प्रशासनिक फेरबदल की चर्चाएं भी चल रही हैं। पप्पू यादव की पोस्ट के अनुसार सीमांचल और मालदा, मुर्शिदाबाद, रायगंज दिनाजपुर आदि जिलों को मिलाकर एक केंद्र शासित प्रदेश बनाने का खेल बीजेपी करने वाली है। नीतीश जी को हटाने और लेफ्टिनेंट जनरल राज्यपाल लाने के पीछे का यह खेल है।

पप्पू यादव के पहले राजद विधायक रणविजय साहू ने भी विधानमंडल सत्र के दौरान ऐसे ही आरोप लगाए थे। उनका बयान उस वक्त ऐसे समय आया था जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के सीमांचल क्षेत्र का तीन दिवसीय दौरा किया था।

उनके इस दौरे के बाद विपक्षी दलों ने यह आरोप लगाना शुरू कर दिया कि सीमांचल और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों को मिलाकर नया प्रशासनिक ढांचा बनाने को लेकर राजनीतिक चर्चाएं हो रही हैं। हालांकि फिलहाल यह पूरा मामला राजनीतिक बयानबाजी तक ही सीमित माना जा रहा है। केंद्र सरकार या किसी आधिकारिक दस्तावेज में इस तरह की किसी योजना का जिक्र सामने नहीं आया है।

देश में हो रहा सनातन के नए युग का उदयः केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

बेगूसराय, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह शनिवार की रात खोदावंदपुर प्रखंड स्थित मटिहानी गांव पहुंचे। यहां आयोजित श्रीमद्भागवत कथा और यज्ञ में शामिल होकर उन्होंने पूजा-अर्चना की। इस दौरान सनातन धर्म और राष्ट्र की सुरक्षा को लेकर बड़ा बयान दिया। गिरिराज सिंह ने कहा कि हमारे पूर्वजों का स्पष्ट संदेश है धर्मो रक्षति रक्षितः। इसका अर्थ है कि अगर हम अपने धर्म और संस्कृति की रक्षा करेंगे, तो धर्म ढाल बनकर हमारी रक्षा करेगा। इस पावन धरती पर जो कथा हो रही है, यह केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन को सशक्त करने का एक संकल्प है। देश में सनातन के एक नए युग का उदय हो रहा है।

पौराणिक संदर्भों का जिक्र करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि जिस तरह त्रेता युग में प्रभु राम ने राक्षसों का संहार किया और द्वापर में भगवान कृष्ण ने कंस का वध किया, ठीक उसी तरह आज के समय में जो भी राक्षस और कंस जैसी प्रवृत्तियां सिर उठाएगी, उनका नाश सनातन धर्म ही करेगा।

देश में सनातन का पुनर्जागरण हो रहा है और जो शक्तियां भारत को नुकसान पहुंचाना चाहती है, उनका अंत निश्चित है। सनातन बचेगा, तभी भारत बचेगा। उन्होंने युवाओं से अपनी संस्कृति और जड़ों से जुड़े रहने की अपील की।

मंत्री श्रवण कुमार ने दिया बड़ा बयान, कहा- बिहार की नई सरकार में चालू होगा शराब?

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार के ग्रामीण कार्य सह परिवहन मंत्री श्रवण कुमार एक दिवसीय दौरे पर अपने गृह क्षेत्र नालंदा जिला मुख्यालय बिहार शरीफ प्रखंड कार्यालय पहुंचे. इस दौरान उन्होंने कहा कि निशांत कुमार रविवार को जदयू की सदस्यता लेंगे. साथ ही उन्होंने बिहार में 2016 से लागू शराबबंदी को लेकर भी बड़ा बयान दिया है.

मंत्री श्रवण कुमार बिहार की मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम के पत्रकारों द्वारा किए गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि कल (8 मार्च) सीएम नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार की राजनीति में एंट्री हो जाएगी और उसके बाद पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ये तय करेगी कि उन्हें कौन सा पद दिया जाए. वहीं शराबबंदी खत्म होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री जबतक हैं, उनकी जद(यू) पार्टी जब तक सरकार में है. वे भले ही मुख्यमंत्री की शक्ल में बिहार में नहीं, लेकिन उनकी नीति को कोई तोड़ नहीं सकता है. उनके अरमानों को कोई छू नहीं सकता है. उनके रहते कोई इधर-उधर की बात नहीं हो सकती है.

वहीं, नालंदा से जद(यू) सांसद कौशलेंद्र कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद से राज्यसभा जाने की इच्छा जाहिर की है. उन्होंने साफ तौर पर कहा कि एनडीए के साथ हमलोग हैं और रहेंगे. हम कहीं भी रहेंगे लेकिन बिहार के विकास की ही बात करेंगे. नीतीश कुमार की सोच विचार ही अलग है. नीतीश कुमार ने कहा कि हम दिल्ली में नहीं बल्कि

बिहार में ही ज्यादा रहेंगे.

बिहार में शराबबंदी से हुए वित्तीय संकट के सवाल पर सांसद कौशलेंद्र कुमार ने कहा कि वित्तीय संकट आता रहता है, पहले भी आ चुका है, लेकिन उससे जो समाज की कुरीतियां/बुराइयां खत्म हुई है. वो ज़्यादा जरूरी था. नीतीश कुमार ने जो भी कार्य किए हैं, वो बिहार और समाज को आगे बढ़ाने के लिए किए हैं. बिहार में यूपीएससी के 20 टॉपर आया जिसकी सबसे बड़ी वजह सामाजिक कुरीतियों को ख़त्म करना ही है. सरकार की सोच है कि गरीब परिवार को आगे बढ़ाएं और उन्हें सारी सुविधाएं उपलब्ध हो.

निशांत कुमार राजनीति में शामिल होकर पार्टी की कमान संभालने का फ़ैसला लिया है. बिहार के लोगों की उम्मीद थी उसपर वो खरा उतरेंगे. निशांत कुमार सीएम बनें या डिप्टी सीएम उसका फैसला हमारे नेता करेंगे. हम सभी कार्यकर्ता अपने नेता के फैसलों का स्वागत करेंगे. जिस तरह उनके अनुशासन में हम लोग आगे बढ़े हैं, वैसे ही निशांत कुमार के अनुशासन में पार्टी आगे बढ़ेगी.

बता दें कि नालंदा में सरकार और समाज कल्याण विभाग की ओर से दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ट्राई साइकिल वितरण किया गया, ताकि वह समाज की मुख्य धारा के साथ आत्मनिर्भर बनने को प्रेरित हों. इस दौरान ज़िले के कुल 10 दिव्यांगों को ट्राय सायकिल वितरित कर हरी झंडी दिखा रवाना किया गया. मौके पर नालंदा से जद(यू) सांसद कौशलेंद्र कुमार और बिहार शरीफ विकास पदाधिकारी के साथ दर्जनों जदयू के कार्यकर्ता मौजूद रहे.

नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की खबरों के बीच बिहार में शराबबंदी कानून के भविष्य को लेकर चर्चाएं और अटकलें तेज हैं. नीतीश कुमार के सीएम पद से हटने के बाद, नई सरकार द्वारा शराबबंदी कानून की समीक्षा किए जाने की प्रबल संभावना जतायी जा रही है. एनडीए के सहयोगी दल और विपक्ष लंबे समय से राजस्व की हानि और अवैध शराब के कारोबार का हवाला देते हुए शराबबंदी कानून में बदलाव की मांग करते रहे हैं.

किशनगंज के पूर्व डीपीओ पर 40 करोड़ का घोटाला साबित

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज शिक्षा विभाग के तत्कालीन जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ) राजेश कुमार सिन्हा पर 40 करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय अनियमितता का आरोप प्रमाणित हुआ है। इस मामले में राज्य सरकार ने उनके रिटायरमेंट के बाद पेंशन में आजीवन 25 प्रतिशत की स्थायी कटौती का आदेश जारी किया है।

शिक्षा विभाग ने इस संबंध में आधिकारिक संकल्प जारी कर दिया है। यह मामला किशनगंज के तत्कालीन जिलाधिकारी द्वारा 21 जून 2024 को शिक्षा विभाग को भेजी गई एक विस्तृत रिपोर्ट के बाद सामने आया।

रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि तत्कालीन डीपीओ राजेश कुमार सिन्हा ने विभिन्न सरकारी योजनाओं में नियमों की अनदेखी करते हुए बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं कीं। इनमें बेंच-डेस्क योजना, विद्यालय जीर्णोद्धार योजना, प्री-फैब स्ट्रक्चर निर्माण, नाइट गार्ड की बहाली और हाउसकीपिंग जैसी योजनाएं शामिल थीं, जिनमें करोड़ों रुपये के फर्जी भुगतान की बात कही गई थी। जिलाधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर शिक्षा विभाग ने मामले को गंभीरता से लिया और 1 जुलाई 2024 से राजेश कुमार सिन्हा को निलंबित कर दिया। इसके उपरांत उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई प्रारंभ की गई। जांच के दौरान दस्तावेजों और भुगतान रिकॉर्ड की गहन समीक्षा की गई, जिसमें कई अनियमितताएं उजागर हुईं।

विशेष रूप से, बेंच-डेस्क योजना में बिना सामग्री की आपूर्ति के ही भुगतान किए जाने की पुष्टि हुई। विभागीय जांच में यह भी सामने आया कि कई योजनाओं में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया। टेंडर प्रक्रिया, कार्य सत्यापन और भुगतान से संबंधित नियमों की अनदेखी कर वित्तीय लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया था। जांच रिपोर्ट में अधिकांश आरोपों को प्रमाणित अथवा आंशिक रूप से प्रमाणित पाया गया।

अनुशासनिक प्राधिकार ने इस मामले को गंभीर वित्तीय अनियमितता मानते हुए राजेश कुमार सिन्हा के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई के रूप में उनकी पेंशन में स्थायी रूप से 25 प्रतिशत की कटौती का निर्णय लिया। यह कटौती उनके रिटायरमेंट के बाद आजीवन प्रभावी रहेगी। शिक्षा विभाग के एक उच्चधिकारी का कहना है कि सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए इस तरह की अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि भविष्य में इस मामले से जुड़े अन्य पहलू सामने आते हैं तो आगे की कानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है।इस कार्रवाई को शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक कड़ा संदेश माना जा रहा है।

राबड़ी देवी बोलीं- नीतीश कुमार को बिहार छोड़कर नहीं जाना चाहिए

पटना , एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव रुटीन स्वास्थ्य जांच के बाद शनिवार को दिल्ली से पटना लौट आए. उनके साथ बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी भी मौजूद रहीं. लालू यादव पिछले करीब दस दिनों से दिल्ली में थे, जहां उनका नियमित हेल्थ चेकअप कराया गया. पटना एयरपोर्ट पहुंचने के बाद राबड़ी देवी ने मीडिया से बातचीत करते हुए बिहार की मौजूदा राजनीतिक स्थिति को लेकर बड़ा बयान दिया.

राबड़ी देवी का यह बयान इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि कुछ ही दिनों पहले विधानसभा सत्र के दौरान उन्होंने नीतीश कुमार से इस्तीफा देने की मांग की थी. उस समय उन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है और उन्हें पद छोड़ देना चाहिए. विधानसभा सत्र के दौरान विपक्ष ने इस मुद्दे को लेकर सरकार पर काफी हमला बोला था. अब उसी नेता की ओर से मुख्यमंत्री को पद पर बने रहने की सलाह दिए जाने के बाद राजनीतिक हलकों में नीतीश कुमार के व्यक्तित्व को लेकर अलग-अलग व्याख्याएं हो रही हैं. बिहार में सोशल मीडिया पर इतने सारे पोस्ट आ गए हैं जिसमें लोग दुख प्रकट कर रहे हैं. इस बात को लेकर कि नीतीश कुमार सीएम का पद छोड़ने वाले हैं. नीतीश कुमार का राजनीतिक सफर भी कई मायनों में खास रहा है. उन्होंने अलग-अलग समय पर प्रदेश के विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ गठबंधन कर सरकार चलाई है. लंबे समय तक राज्य की सत्ता का नेतृत्व किया है. चाहे बीजेपी हो, राजद हो, कांग्रेस हो या विभिन्न वाम दल हों. अलग-अलग समय पर नीतीश कुमार ने सभी के साथ मिलकर सरकार चलाई है और सरकार का नेतृत्व किया है. उनके नाम एक राज्य में दस बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने का अनोखा रिकॉर्ड भी दर्ज है, जो भारतीय राजनीति में बेहद दुर्लभ हैं. यही वजह है कि उनके हर राजनीतिक फैसले पर पूरे देश की नजर रहती है.

बदलेगा मौसम का मिजाज, 9 मार्च से पटना समेत कई जिलों में आंधी के साथ बारिश का अलर्ट

पटना, एजेंसी। बिहार के मौसम में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है। ज्यादातर भागों में गर्म एवं पछुआ के कारण शुष्क मौसम बना हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के के अनुसार, कुछ स्थानों पर हवा की गति 30 किमी प्रतिघंटा रहने के आसार हैं। 9 मार्च को पश्चिमी हिमालय क्षेत्रों में पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव देखने को मिलेगा। इस कारण मौसम में बदलाव की संभावना है। 9 से 11 मार्च के दौरान उत्तरी एवं दक्षिणी भागों के कई स्थानों पर आंधी के साथ वर्षा को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। पटना सहित गया, नालंदा, शेखपुरा, नवादा, बेगूसराय , लखीसराय, जहानाबाद, सीतामढ़ी, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, वैशाली, शिवहर, समस्तीपुर, सुपौल, अररिया, किशनगंज, मधेपुरा, सहरसा, पूर्णिया, कटिहार, बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद, अरवल आदि जगहों के एक या दो स्थानों पर गरज-तड़क के साथ वर्षा के आसार हैं। इस दौरान हवा की गति 30-40 किमी प्रतिघंटा रहने की संभावना है। पांच दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में गिरावट आने से मौसम सामान्य बना रहेगा। शनिवार को पटना का अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस एवं 34.2 डिग्री सेल्सियस के साथ राजगीर में सर्वाधिक अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। शनिवार को पटना सहित 20 जिलों के अधिकतम तापमान में वृद्धि दर्ज की गई जबकि अन्य जिलों के तापमान में गिरावट आई है। पटना का न्यूनतम तापमान इस सीजन 21.8 डिग्री सेल्सियस सर्वाधिक दर्ज किया गया। बीते 15 वर्षों के दौरान पटना के न्यूनतम तापमान सर्वाधिक रहा। शनिवार को पटना सहित आसपास इलाकों में पछुआ के कारण मौसम शुष्क बने होने के साथ शाम में आंशिक रूप से बादल छाए रहे।

अमेरिका के दबाव में काम कर रही है भारत सरकार : पूर्व केंद्रीय मंत्री राजकुमार सिंह

आरा(भोजपुर), एजेंसी। आरा से पूर्व बीजेपी सांसद राजकुमार सिंह ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक पोस्ट साझा करते हुए केंद्र सरकार की विदेश नीति और अमेरिका के साथ संबंधों को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं। दुनिया में भारत के स्तर को नरेंद्र मोदी की सरकार ने इतना नीचे गिरा दिया है जितना मैंने अपने 50 साल की सेवा में कभी नहीं देखा। हम रूस से तेल खरीदते रहे हैं क्योंकि रूसी तेल सस्ता है और रूस हमारा मित्र है। रूस-यूक्रेन लड़ाई का बहाना बनाकर अमेरिका ने भारत पर दबाव डाला कि रूस से तेल खरीदना बंद करे और अमेरिका से तेल खरीदे। यूरोप लगातार रूस से तेल और गैस खरीदता रहा है और अमेरिका ने कभी उस पर दबाव नहीं डाला कि वह इसे बंद करे या कम करे। खुद अमेरिका भी रूस से कई तरह का सामान खरीदता रहा है और उसे रोकने की बात नहीं करता है। भारत ने इस पर कोई सवाल नहीं उठाया। यह कमजोरी क्यों? अमेरिका ने भारत पर 50% का टैरिफ लगा दिया। अंतरराष्ट्रीय प्रथा के अनुसार भारत को भी अमेरिकी सामग्री, जिसमें डिजिटल सामग्री भी शामिल है, पर उतना ही टैरिफ लगाना चाहिए था। लेकिन भारत ने अमेरिका के नाजायज कदम के खिलाफ न कुछ कहा और न ही कोई जवाबी टैरिफ लगाया। इस कमजोरी का क्या कारण है? भारत 140 करोड़ आबादी का एक महान देश है। उसे किससे सामग्री खरीदनी है, इसके लिए किसी से इजाजत लेने की आवश्यकता नहीं है। परंतु खाड़ी युद्ध के बाद भारत को रूस से खरीदे जा रहे तेल की मात्रा बढ़ाने की जरूरत पड़ी तो वह अमेरिका के पास अनुमति मांगने गया। राजकुमार सिंह ने यह भी कहा कि भारत 140 करोड़ आबादी वाला एक महान देश है। उसे किस देश से सामान खरीदना है, इसके लिए किसी की अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।

पूर्णिया में इलेक्ट्रॉनिक शॉप संचालक की मौत

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में ससुराल जा रहे इलेक्ट्रॉनिक शॉप संचालक की मौत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना मानसी के पास की है। मृतक की पहचान सरसी थाना क्षेत्र के चंपावती वार्ड 6 निवासी सिप्पू कुमार(25) के तौर पर हुई है। 5 महीने पहले ही शादी हुई थी। पत्नी और परिवार के सदस्यों को रो-रोकर बुरा हाल है।

पिता शनिचर यादव ने बताया कि शनिवार देर शाम बेटा शॉप बंद करके घर आया। कुछ देर बाद बाइक लेकर ससुराल के लिए निकला। रास्ते में हादसे का शिकार हो गया। कार की टक्कर से बाइक के परखचे उड़ गए। मौके पर पहुंची पुलिस से हादसे की जानकारी मिली। सिप्पू दो भाइयों में छोटा था। 2 साल पहले बड़े भाई रवि कुमार की दो साल पहले पंजाब जाते समय सड़क हादसे में मौत हो गई थी। दो साल के अंदर दोनों बेटों की मौत से घर में कोहराम मच गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

सभी नगर निकायों से जिम्मेदारी वापस, 37 जिलों में 31 मार्च के बाद बंद होंगे मुख्यमंत्री वृद्धजन आश्रय स्थल

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार ने बेसहारा बुजुर्गों के लिए संचालित 'मुख्यमंत्री वृद्धजन आश्रय स्थल योजना' को लेकर एक बड़ा और अहम नीतिगत फैसला लिया है। राज्य के नगर विकास एवं आवास विभाग के दिशा-निर्देश पर नगर निकायों द्वारा चलाए जा रहे इन आश्रय स्थलों को आगामी 31 मार्च 2026 के बाद पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। राहत की बात यह है कि यह नया नियम पटना नगर निगम पर लागू नहीं होगा। राजधानी पटना को छोड़कर राज्य के बाकी 37 जिलों के नगर निगमों और निकायों में अब इस योजना का संचालन नहीं किया जाएगा। नगर विकास एवं आवास विभाग ने राज्य के सभी नगर आयुक्तों और कार्यपालक पदाधिकारियों को इस नए आदेश को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर लागू करने का सख्त निर्देश दिया है। जारी पत्र में व्यवस्था परिवर्तन को लेकर प्रमुख बातें शामिल हैं। इन आश्रय

स्थलों में वर्तमान में रह रहे बेसहारा और वृद्धजनों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। उन्हें सम्मानपूर्वक समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित स्थायी वृद्धाश्रमों में शिफ्ट (स्थानांतरित) कर दिया जाएगा। इस योजना के संचालन के लिए अब तक खरीदे गए उपकरण, बेड, फर्नीचर व अन्य भौतिक सामग्रियों को बेकार नहीं जाने दिया जाएगा। नगर निकाय इनका उपयोग अपनी अन्य उपयुक्त और चालू सरकारी योजनाओं में कर सकेंगे।

आश्रय स्थलों में रह रहे बुजुर्गों के दैनिक भोजन, नाश्ता और अन्य सुविधाओं के लिए जिन आउटसोर्सिंग या निजी एजेंसियों के साथ करार (एग्रीमेंट) किया गया था, वह 31 मार्च 2026 के बाद स्वतः समाप्त कर दिया जाएगा। इस योजना के तहत निकायों को जो भी फंड आवंटित किया गया था और जो खर्च हो चुका है, उसका स्पष्ट उपयोगिता प्रमाण पत्र विभाग को अविलंब सौंपना होगा।

विभागीय सूत्रों और जारी आदेश के अनुसार, बीते 25 फरवरी 2026 को राज्य के विकास आयुक्त की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। इस महत्वपूर्ण बैठक में योजना की वर्तमान स्थिति और जमीनी स्तर पर इसके संचालन की गहन समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि राज्य में समाज कल्याण विभाग द्वारा वृद्धाश्रमों का संचालन अधिक सुचारू, व्यवस्थित और बेहतर तरीके से किया जा रहा है।

मछली में गिरी छिपकली, खाने से 9 लोग बीमार, आरा सदर अस्पताल में एडमिट, सभी एक ही परिवार के सदस्य

आरा, एजेंसी। भोजपुर के भगवतीपुर गांव में शनिवार देर शाम छिपकली गिरी मछली खाने से एक ही परिवार के नौ लोगों की तबीयत बिगड़ गई। सभी लोगों को पेट में दर्द एवं उल्टी होने लगा। आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल में एडमिट कराया गया। घटना उदवंतनगर थाना क्षेत्र की है।डॉक्टरों की देखरेख में वीरेंद्र कुमार यादव(35), उनकी पत्नी शीशामुनी देवी(28), बेटी रौशनी कुमारी(14), रितु कुमारी(12), नंदनी कुमारी(6), रागिनी कुमारी(7), बेटा गुलशन कुमार(10), गुंजन कुमार(5) और मजेदार यादव(65) का इलाज चल रहा है। वीरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि घर में मछली बना था। जिसमें छिपकली गिरकर मर गई थी। हालांकि किसी ने देखा नहीं और उसी मछली को सभी लोगों ने खा लिया। लास्ट में मरी छिपकली पर नजर पड़ी। कुछ ही देर बाद सभी लोगो की तबीयत बिगड़ने लगी। ऑन ड्यूटी डॉक्टर ने बताया कि चार बच्चों को पेट में दर्द और उल्टी की शिकायत है, जबकि दो से तीन लोगों को उल्टी हो चुकी है। प्राथमिक उपचार कर दिया गया है। ऑब्जरवेशन में रखकर इलाज किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बदायूं के सरकारी स्कूल में बच्चों से नमाज पढ़वाने का आरोप, बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जताया विरोध

बदायूं। बदायूं जिले के जूनियर हाई स्कूल रिसौली में बच्चों से सामूहिक रूप से नमाज पढ़वाने का आरोप लगा है। इसे लेकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को स्कूल में पहुंचकर विरोध जताया। संगठन के पदाधिकारियों ने मामले की जांच करने की मांग की। बदायूं जिले के रिसौली स्थित एक सरकारी स्कूल में बच्चों से सामूहिक रूप से नमाज पढ़वाने का मामला सामने आया है। इस पर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के कार्यकर्ता स्कूल पहुंच गए और विरोध जताया। स्कूल में हंगामे का वीडियो शनिवार रात को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। उझानी क्षेत्र के जूनियर हाई स्कूल रिसौली में सामूहिक रूप से नमाज अदा कराई गई। यह मामला बीते बृहस्पतिवार का बताया जा रहा है। आरोप लगाया गया है कि नमाज पढ़वाने की व्यवस्था स्कूल के ही एक शिक्षक और शिक्षिका की ओर से कराई गई। स्कूल की एक अन्य महिला शिक्षिका ने इस संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से शिकायत की है।

विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ता पहुंचे स्कूल – मामले की जानकारी मिलने पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता स्कूल पहुंचे और विरोध जताते हुए कहा कि यदि स्कूल में नमाज पढ़ी जाएगी, तो वे भी वहीं बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री विनय प्रताप सिंह ने पूरे मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि प्रशासन ने इस प्रकरण को गंभीरता से नहीं लिया तो संगठन को धरना-प्रदर्शन करना पड़ेगा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र कुमार सिंह का कहना है कि मामले की जानकारी मिली है और इसकी जांच कराई जाएगी।

कई बार नमाज पढ़वाने का लगाया आरोप – विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों का आरोप है कि एक महिला अध्यापक और एक पुरुष शिक्षक द्वारा नमाज पढ़वाई गई है। बताया जाता है कि रमजान के माह में कई बार यहां पर सामूहिक रूप से नमाज अदा कराई गई। इस बात का खुलासा एक अन्य महिला अध्यापक द्वारा किया गया है।

नाम काटने की धमकी देने का आरोप – गांव में मस्जिद न होने पर एक घर पर भी सामूहिक रूप से नमाज पढ़ने का मामला प्रकाश में आया है। स्कूल में नमाज पढ़े जाने के मामले में बच्चों ने हिंदू नेताओं को बताया कि विरोध करने पर स्कूल से नाम काटने की धमकी दी गई।

रेखा ने निशुल्क इलाज के लिए शासन तक किया संघर्ष, ताकि हीमोफीलिया पीड़ितों को न पड़े भटकना

बरेली। बरेली की रेखा रानी ने हीमोफीलिया पीड़ित अपने बच्चे के दर्द को महसूस किया। इसके बाद उन्होंने इस रोग के निशुल्क इलाज के लिए शासन तक संघर्ष किया। आखिरकार उनका संघर्ष रंग लाया और वर्ष 2015 में जिला अस्पताल में हीमोफीलिया मरीजों के निशुल्क इलाज की सेवा शुरू हुई। जीवन में कई बार ऐसे हालात बनते हैं जब इंसान खुद के साथ दूसरों की मदद के बारे में सोचने लगता है। बरेली की रेखा रानी ऐसी ही महिला हैं, जिन्होंने हीमोफीलिया पीड़ित अपने बच्चे के दर्द को महसूस किया। लाइलाज रोग के निशुल्क इलाज के लिए शासन तक संघर्ष किया। आखिरकार वर्ष 2015 में जिला अस्पताल में हीमोफीलिया मरीजों के निशुल्क इलाज यानी फैक्टर आठ की सेवा शुरू हुई। तभी इन्होंने जीवन रेखा हीमोफीलिया जन कल्याण समिति गठित की। 11 वर्षों में समिति से बरेली मंडल के 250 से ज्यादा पीड़ित जुड़कर निशुल्क स्वास्थ्य सुविधा का लाभ ले रहे हैं। रेखा रानी के मुताबिक, बेटा जब तीन माह का था तब जोड़ों में गांठ पड़ने लगी थीं। निजी अस्पताल में जांच कराई तो हीमोफीलिया का पता चला। बेटे को छह साल तक गोद में लेकर इलाज के लिए दिल्ली, लखनऊ जाते थे। इसी संघर्ष के दौरान बरेली मंडल में भी हीमोफीलिया फैक्टर आठ निशुल्क उपलब्धता के लिए शासन को पत्र भेजा, पर सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद बरेली मंडल के सरकारी, निजी अस्पतालों में संपर्क कर 40 पीड़ितों की सूची बनाकर शासन को भेजी तब उन्होंने फैक्टर आठ उपलब्ध कराया।

आनुवांशिक रोग है हीमोफीलिया, जागरूकता ही बचाव – खन्नू मोहल्ला निवासी रेखा रानी के मुताबिक, हीमोफीलिया आनुवांशिक रोग है। महिलाएं इसमें कैरियर होती हैं।

पुरुषों की तुलना में 4 गुना ज्यादा काम फिर भी महिलाओं को सिद्ध करनी पड़ती है काबिलियत

वाराणसी। महिलाओं को सशक्त करने से ज्यादा जरूरी समाज को शिक्षित करना है। समाज में अभी भी महिलाओं को पूरी तरह से बराबरी का दर्जा नहीं मिला है। विकसित भारत का मतलब विकसित नारी से है। इसके लिए समाज में जागरूकता जरूरी है। साथ ही हम महिलाएं पुरुषों की तुलना में 4 गुना अधिक काम कर सकती हैं। फिर भी हमें अपनी काबिलियत सिद्ध करनी पड़ती है। अलग-अलग क्षेत्रों से उच्च पदों पर तैनात महिलाओं ने रोजमर्रा के जीवन में उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बताया। साथ ही उन समस्याओं से कैसे निकलना है, इसके बारे में भी चर्चा की। महिलाओं ने कहा कि हमारे अंदर के मनोबल को बढ़ाने की जरूरत है। हमारे अंदर प्राकृतिक रूप से जो शक्तियां ईश्वर ने दे रखी हैं, उसे समझना पड़ेगा। जब हम खुद को मजबूत मानेंगे तो सामने आने वाली सभी

चुनौतियों का सामना कर सकेंगे। पुरुषों की तुलना में महिलाएं चार गुना ज्यादा सक्षम हैं किसी भी काम को करने में। महिलाओं ने कहा कि समाज में आज भी जो बराबरी का दर्जा नहीं है, वह तभी मिलेगा जब साक्षरता बढ़ेगी। समाज में शिक्षित होने से ज्यादा महिलाओं को समझना जरूरी है। महिला सशक्तीकरण की सिर्फ चर्चा है। हमेशा हम बाहरी पहलुओं को देखते हैं। हमारी क्षमता और प्रतिभा को हम जब तक खुद नहीं समझेंगे, तब तक सशक्त नहीं होंगे। समाज में अगर महिला काम कर रही है तो परिवार संभालने के लिए हमेशा उसे ही काम छोड़ने का दबाव दिया जाता है। इस सोच में बदलाव चाहिए। पिछड़े इलाके की लड़कियां इंजीनियरिंग या डॉक्टर की पढ़ाई नहीं कर पा रही हैं, क्योंकि समाज में उनके लिए जगह नहीं बन पा रही है। हम महिलाएं पुरुषों की तुलना में 4 फीसदी अधिक काम कर सकती हैं। फिर भी हमें अपनी काबिलियत सिद्ध करनी पड़ती है। महिलाओं का इमोशनल टूल बहुत अच्छा होता है। समाज में अगर किसी के साथ भी कुछ गलत हो रहा है तो वह हमारी जिम्मेदारी है। समाज में 80 फीसदी लोग सामान्य शिक्षित या अशिक्षित हैं। 20 फीसदी विशेष वर्ग के लोग हैं। सबसे अधिक समस्या इसी वर्ग में है। इस वर्ग को समस्या उत्पन्न करना आता है। आज हमारा समाज जिस तरह से संस्कारविहीन होता दिख रहा है, यह आने वाले 10 वर्षों में पैंडेमिक होगा।

शहर को है दोबारा टी-20 ट्रॉफी का इंतजार, स्कूल, होटल और निजी प्रतिष्ठानों में दिखाया जाएगा मैच

लखनऊ। टी-20 विश्वकप में लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का कारनामा दोहराने को बेताब भारतीय टीम की विजय के लिए देशभर में प्रार्थनाएं की जा रही है। इसी तर्ज पर लखनऊ में भी इस महामुकाबले को देखने के लिए खास तैयारियां की गई हैं। छुट्टी के दिन यानी रविवार को होने वाले मुकाबले के लिए शहरवासियों ने अपने जरूरी काम टाल दिए हैं ताकि मेन इन ब्लू को चीयर कर सकें। देर शाम शुरू होने वाले मुकाबले के लिए शहर के होटल, रेस्टोरेंट में भी विशेष इंतजाम किए गए हैं, ताकि यहां आकर परिवार के साथ समय बिताने वाले प्रशंसक भी फाइनल का लुत्फ उठा सकें। द शहर के सेंट जोसेफ स्कूल, राजाजीपुरम में बड़ी स्क्रीन लगाकर विश्वकप फाइनल मुकाबले को देखने के इंतजाम किए गए हैं। स्कूल के प्रबंध निदेशक अनिल अग्रवाल ने बताया कि इस तरह के मुकाबले को बड़ी स्क्रीन में बच्चों के साथ देखने का मजा ही अलग होगा। टीम इंडिया की जीत के साथ हमारी ओर से जश्न की विशेष तैयारियां की गई है। शहर की स्पोर्ट्स गैलेक्सी क्रिकेट अकादमी

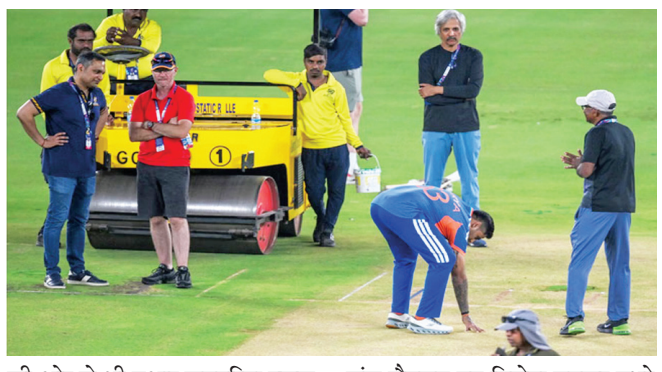

की ओर से भी एआर जयपुरिया स्कूल आलमबाग कैंपस में बड़ी स्क्रीन लगाकर मुकाबला देखने की योजना बनाई गई है। अकादमी के डायरेक्टर सुभांश कुमार ने बताया कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले इस मुकाबले को देखने के लिए शहर भर से युवा क्रिकेटरों को आमंत्रित किया गया है।

टीम इंडिया जीते, बस यहीं दुआ – शहर के पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर ज्ञानेंद्र पांडेय ने कहा कि टी-20 विश्वकप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद टीम इंडिया ने जबर्दस्त कमबैक किया है। टीम में चैंपियन बनने की पूरी काबिलियत है। संजू सैमसन नए विजेता बनकर उभरे हैं। जहां तक टीम कंबीनेशन का सवाल है तो मेरे विचार से फाइनल में अंतिम एकादश में छेड़छाड़ करना सही नहीं होगा। इसके बावजूद अगर कोई परिवर्तन होता है तो कुलदीप यादव को एक स्पिनर की जगह अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। अभिषेक शर्मा भले ही पूरे विश्वकप में अपनी छाप नहीं छोड़ सके हैं, लेकिन टी-20 फार्मेट में बीता रिकॉर्ड उसे अंतिम एकादश में खेलने का दावेदार बनता है। हो सकता है कि फाइनल में यह विस्फोटक बल्लेबाज चल निकले और भारत को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाए।

ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के विरोध में रखा मौन उपवास

वाराणसी। ईरान के खिलाफ अमेरिका और इस्राइल की सैन्य कार्रवाई के विरोध में साझा संस्कृति मंच और कांग्रेस ने शनिवार को आंबेडकर पार्क कचहरी में सुबह 10 बजे से अपराह्न 3 बजे मौन उपवास रखा। कार्यक्रम में शहर के सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों और नागरिकों ने हिस्सा लिया। कांग्रेस के महानगर कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने कहा कि ओमान की मध्यस्थता में चल रही शांति वार्ता के बीच, युद्ध की घोषणा किए बिना ईरान पर की गई सैन्य कार्रवाई मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। उन्होंने वेनेजुएला के खिलाफ एकतरफा सैन्य हस्तक्षेप और राजनीतिक दबाव की भी आलोचना की। महात्मा गांधी और पंडित नेहरू के नेतृत्व में चला भारत का स्वतंत्रता संग्राम साम्राज्यवाद के खिलाफ संघर्ष, विविधता में एकता और सर्वधर्म समभाव का प्रतीक रहा है। इस कार्यक्रम में कांग्रेस के महानगर कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष अनुराधा यादव, फादर आनंद, जागृति राही, रामधीरज आदि मौजूद रहे।

फंदे से लटका मिला कारोबारी का शव : परिजन बोले-जीएसटी नोटिस का था दबाव, दी तहरीर; पुलिस जांच कर रही

वाराणसी। चेतगंज थाना क्षेत्र के लहंगपुरा में पान मसाला कारोबारी राजेश चौरसिया (53) ने शनिवार की सुबह घर के अंदर फंदा लगाकर जान दे दी। परिजनों का आरोप है कि गुड्स सर्विस टैक्स (जीएसटी) नोटिस के दबाव और अकाउंटेंट की धोखाधड़ी से परेशान होकर राजेश ने यह कदम उठाया। परिजनों की तहरीर के आधार पर चेतगंज पुलिस जांच कर रही है। लहंगपुरा निवासी राजेश चौरसिया का पान दरीबा में सिगरेट, पान मसाला का कारोबार था। भतीजे दीपक चौरसिया ने पुलिस को बताया कि सुबह 7 बजे चाचा से मुलाकात हुई थी। इसके बाद घर के सभी लोग अपने-अपने काम में व्यस्त हो गए। सुबह 9.30 बजे पापा राकेश चौरसिया मंदिर साफ करने के लिए झाड़ू लेने के लिए स्टोर रूम में गए तो कुंडी में रस्सी के सहारे चाचा को लटकता देखा। घर के अन्य सदस्य पहुंचे तो उन्हें नीचे उतारा गया। में चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। दीपक चौरसिया ने चेतगंज पुलिस को बताया कि दो साल से वह जीएसटी नोटिस को लेकर तनाव में थे। साथ ही अकाउंटेंट देखने वाले युवक ने धोखाधड़ी की है। इसी तनाव में चाचा ने यह कदम उठाया। मणिकर्णिका घाट पर चाचा का अंतिम संस्कार किया गया।

बकाएदारों पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 67 लाख नहीं चुकाने पर 50 करोड़ से अधिक की जमीन कुर्क

आगरा। आगरा में रिकवरी सर्टिफिकेट (आरसी) जारी होने के बाद भी राजस्व का बकाया नहीं चुकाने वाले पांच बकाएदारों की 11 हेक्टेयर जमीन शनिवार को तहसील प्रशासन ने कुर्क कर लिया है। इसका बाजार मूल्य 50 करोड़ से अधिक माना जा रहा है। उप जिला मजिस्ट्रेट (सदर) सचिन राजपूत के आदेश पर तहसील प्रशासन की टीम ने कुण्डौल, बरौली गूजर और धमौटा में भूमि जब्त की। इन बकाएदारों पर कुल 67.19 लाख रुपये का बकाया था, जिसे जमा न करने पर यह कार्रवाई की गई। इन संपत्तियों की खरीद-फरोख्त या हस्तांतरण पर पूरी तरह रोक लग गई है।

इनकी संपत्तियां की गई जब्त – एसडीएम सदर के निर्देश पर अमीन ओमवीर त्यागी ने राजस्व टीम के साथ गांवों में जाकर मुनादी कराई और जब्ती की कार्रवाई को अंजाम दिया। इनमें कुण्डौल निवासी

अशोक कुमार पर सर्वाधिक 30.02 लाख रुपये बकाया थे। प्रशासन ने कुण्डौल और नदौता मौजा में उनकी करीब 6.73 हेक्टेयर जमीन को जब्त किया है। कुण्डौल निवासी रनवीर सिंह पर 10.85 लाख रुपये की देनदारी थी। इनकी 1.61 हेक्टेयर जमीन कुर्क की गई है। कुण्डौल के राम सिंह पर 10.63 लाख रुपये बकाया थे। प्रशासन ने इनकी बरौली गूजर स्थित 1.35 हेक्टेयर जमीन पर कब्जा ले लिया है। धमौटा निवासी राकेश कुमार से 9.59 लाख रुपये की वसूली होनी थी। इनके गांव धमौटा स्थित 1.31 हेक्टेयर जमीन को जब्त किया गया है। विजय मल्हैला कुण्डौल निवासी शौकीन सिंह पर 6.08 लाख रुपये बकाया थे। इनकी कुण्डौल और इस्लामपुर मौजा स्थित कुल 1.16 हेक्टेयर जमीन कुर्क हुई है।

बिक्री और दान पर लगी रोक – उप जिला मजिस्ट्रेट सदर सचिन राजपूत ने बताया कि जब्त की गई संपत्तियों के हस्तांतरण, बिक्री या दान करने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। यदि कोई व्यक्ति इन संपत्तियों का सौदा करता है, तो वह अवैध माना जाएगा। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि बकाया जमा न करने वाले अन्य भू-स्वामियों के खिलाफ भी इसी तरह की कुर्की की कार्रवाई जारी रहेगी। कुर्क संपत्तियों को नीलाम कर बकाएदारों की राशि चुकाई जाएगी।

एसआईआर की परीक्षा में नोटिस पाने वाले 2.80 करोड़ मतदाता पास, दूसरों के आवेदन पर अभी तक कटे मात्र 7820 नाम

लखनऊ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि नए मतदाता बनने के लिए पुरुषों से ज्यादा महिलाओं ने फॉर्म-6 भरे हैं। नाम काटने के लिए भरे जाने वाले फॉर्म-7 पर विपक्ष ने काफी मुखर विरोध किया था। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के उत्साह भरे परिणाम सामने आ रहे हैं। प्रदेश में कुल 3.26 करोड़ मतदाताओं के लिए नोटिस तैयार हो चुके हैं। इनमें से 3.06 करोड़ नोटिस मतदाताओं को प्राप्त कराए जा चुके हैं। 2.80 करोड़ मतदाताओं ने नोटिस के जवाब में जरूरी दस्तावेज मुहैया करा दिए हैं। इनका नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल होना तय है। यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने शनिवार को लोकभवन में प्रेसवार्ता में बताया कि नए मतदाता बनने के लिए पुरुषों से ज्यादा महिलाओं ने फॉर्म-6 भरे हैं। नाम काटने के लिए भरे जाने वाले फॉर्म-7 पर विपक्ष ने काफी मुखर विरोध किया था। रिणवा ने बताया कि दूसरे व्यक्तियों की शिकायत पर अभी तक प्रदेश में 7820 नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं। इनमें 5153 मृतक शामिल हैं।

रिणवा ने एसआईआर की 6 जनवरी से 6 मार्च तक चली दावा एवं आपत्ति अवधि के आंकड़े मीडिया के सामने रखे। उन्होंने बताया कि गणना चरण में वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मिलान न कराने वाले 1.04 करोड़ मतदाता और तार्किक विसंगति वाले 2.22 करोड़ मतदाताओं को नोटिस प्रक्रिया में शामिल किया गया है। इन पर सुनवाई 27 मार्च तक चलेगी। 6 जनवरी को प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची में कुल मतदाता 12,55,56,025 हैं। कुल 93.8 प्रतिशत नोटिसों का वितरण हो चुका है, जिनमें से 85.8 प्रतिशत मतदाताओं की सुनवाई पूरी हो चुकी है। रिणवा ने बताया कि सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि सुनवाई के लिए आने वाले मतदाताओं को असुविधा न हो। मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान केंद्रों पर भी सुनवाई की जा रही है।

चप्पलों से पिटने वाला निकला साइंटिस्ट; पुलिस पर 'एडिशनल एसपी' का झांसा देकर गांठा रौब, पढ़ें मामला

कानपुर। कानपुर के घाटमपुर तहसील परिसर में शनिवार दोपहर दुष्कर्म की रिपोर्ट लिखाने वाली महिला व उनकी बेटियों की झांसी में तैनात फॉरेंसिक साइंस के वैज्ञानिक संतोष कुमार कुरील की चप्पलों से पिटाई कर दी। महिला ने बेटी का वीडियो बनाने और विरोध पर थप्पड़ जड़ने का आरोप लगाया है। वहीं, वैज्ञानिक का कहना है कि उन्हें कार से खींचकर पीटा गया है। दोनों पक्षों के बीच जमीन से संबंधित मामला कोर्ट में है। पुलिस ने मां व बेटियों के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज की है। घाटमपुर इंस्पेक्टर दिनेश सिंह बिष्ट के मुताबिक क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने बताया कि उनका गांव के ही कैलाश से सिविल कोर्ट में जमीन का मुकदमा चल रहा है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस: काशी में 5340 लड़कियों ने सीखे आत्मरक्षा के गुर, 'हिंसा' पर बनाई पेंटिंग; प्रशिक्षण

वाराणसी। प्रत्येक सत्र के दौरान छात्रों को रिवार्ड पॉइंट्स अभियान के बारे में जानकारी दी गई। समाचार पत्र पढ़ने के लाभ और महत्व पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस प्रकार काशी शक्ति महिला दिवस अभियान छात्राओं और विद्यार्थियों के लिए जागरूकता, आत्मविश्वास और प्रेरणा का एक प्रभावी मंच साबित हुआ। आत्मरक्षा के गुर सिखाने में मानव एकेडमी ऑफ मार्शल आर्ट्स की सीनियर प्रशिक्षक सेंसेई ज्योति सिंह, सत्यम पटेल, कशिश पटेल, खुशी कुमारी, खुशबू मौर्य, कुंजन मौर्य, संध्या मौर्य, माया पटेल और कृतिका पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। साथ ही काशी शक्ति अभियान धीरेंद्र महिला पीजी कॉलेज, सुंदरपुर में चित्रकला का आयोजन हुआ। इसमें छात्राओं ने महिला सशक्तीकरण, महिला हिंसा, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ आदि महिलाओं और लड़कियों से जुड़ी पेंटिंग बनाई। मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य डॉ. नलिनी मिश्रा ने सभी छात्राओं को डंट कर हर चुनौती का सामना करने की प्रेरणा दी। इस दौरान विंध्य गुरुकुल की प्रधानाचार्य डॉ. प्रतीक्षा सिंह, उप प्रधानाचार्य पूजा यादव और महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ. पूजा यादव, डॉ. विनीता सिंह अत्रे, डॉ. दीपिका यादव, डॉ. कविता पांडेय, डॉ. गीता दुबे, डॉ. सारिका मिश्रा, संध्या पांडेय, ज्योति सिंह, कार्यक्रम का संचालन प्रभु नारायण, मुख्य अतिथि का स्वागत डॉ. प्रवीण पांडेय और प्रबंध विभाग के दीपक तिवारी ने किया। कार्यक्रम में सुनील जायसवाल, सुषमा सिंह, मधु सिंह, स्नेहा पाठक, शिवांगी साह, गोपाल जी शर्मा, सुनील यादव, डॉ. देवब्रत तिवारी और रोहित वर्मा भी उपस्थित रहे।

महिलाओं का हुआ सम्मान, कक्षा 5 की शिवांगी बनी प्रधानाध्यापिका – अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय भिटारी में कक्षा 5 की छात्रा शिवांगी राव को एक दिन का प्रधानाध्यापक बनाया गया। शिवांगी राव विद्यालय की उत्कृष्ट छात्रा के साथ-साथ बाल संसद की अध्यक्ष भी है। सुबह प्रार्थना सभा के उपरांत विद्यालय प्रधानाध्यापक रविंद्र कुमार सिंह ने शिवांगी राव को लिखित रूप से विद्यालय का प्रभार सौंपा व प्रधानाध्यापक के कार्य तथा दायित्व के बारे में जानकारी दी। इसके बाद शिवांगी राव ने मध्यान भोजन

सहित सभी कक्षाओं का अवलोकन कर आवश्यक सुझाव भी दिए। विद्यालय के प्रधानाध्यापक रविंद्र कुमार सिंह ने बताया कि प्रत्येक वर्ष अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विद्यालय की उत्कृष्ट बालिका को एक दिन की प्रधानाध्यापक का कार्यभार देकर प्रोत्साहित किया जाता है। छात्रा शिवांगी ने कहा कि प्रधानाध्यापक की कुर्सी पर बैठना मेरे लिए गौरवपूर्ण क्षण रहा है। इस अवसर पर रजनी, मीनू शुक्ला, मीना यादव, निशा सिंह, सविता देवी का सहयोग किया। वहीं, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय 39 जीटीसी में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का मनाया गया। इसमें विद्यालय के समस्त महिला कार्मिकों को प्राचार्य द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अध्यापकों ने विभिन्न कार्यक्रम जैसे कविता, गीत, भाषण की मनमोहक प्रस्तुति दी। प्राचार्य डॉ. सीबीपी वर्मा ने कहा कि नारी केवल परिवार की आधारशिला नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास की सशक्त प्रेरणा भी है। उन्होंने समाज में महिलाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए नारी सशक्तीकरण पर बल देने की बात कही।

नो सी, नो टच तकनीक से आज स्तन कैंसर जांच - अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रविवार को सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं की नो सी, नो टच तकनीक से स्तन कैंसर की जांच की जाएगी। प्रशासन की ओर से सिगरा स्टेडियम में यह निशुल्क कैंप लगाया जाएगा। डीएम सत्येंद्र कुमार ने बताया कि थर्मल कैमरे और थर्मलिटिक्स सॉफ्टवेयर की सहायता से महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग का अभियान चलाया जा रहा है। अभियान पूरी तरह से नो सी, नो टच माध्यम से चल रहा है। रोजाना करीब 800 से 900 महिलाओं की स्क्रीनिंग की जा रही है। छह मार्च तक लगभग 36,000 महिलाओं की स्क्रीनिंग कराई जा चुकी है।

आज सम्मानित होंगी महिला एयर ट्रैफिक कंट्रोलर

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को वाराणसी वायु यातायात नियंत्रक गिल्ड द्वारा वाराणसी में कार्यरत महिला वायु यातायात नियंत्रकों के उत्कृष्ट योगदान को सम्मानपूर्वक सराहा जाएगा। इस दौरान एयर ट्रैफिक प्रबंधन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली महिला अधिकारी सम्मानित होंगी। वाराणसी वायु यातायात नियंत्रक गिल्ड के सचिव मनीष कश्यप ने बताया कि कार्यक्रम में दीप्ती, नीता, सौम्या तथा अंकिता को उनके समर्पण, कार्यकुशलता और पेशेवर उत्कृष्टता के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। इन सभी अधिकारियों ने अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए हवाई यातायात के सुरक्षित और सुचारु संचालन में उल्लेखनीय योगदान दिया है। वायु यातायात नियंत्रक गिल्ड के पदाधिकारियों ने कहा कि एयर ट्रैफिक कंट्रोल जैसे चुनौतीपूर्ण और जिम्मेदारी भरे क्षेत्र में इन महिला अधिकारियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन न केवल प्रशंसनीय है, बल्कि यह अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

संक्षिप्त समाचार

विदाई लेते हुए भावुक हुए वीके सक्सेना, बोले- दिल्ली से जा रहा हूं, दिल से नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। लद्दाख के उपराज्यपाल घोषित होने के बाद दिल्ली के निवर्तमान एलजी

वीके सक्सेना ने शनिवार शाम एक अनौपचारिक बातचीत में दिल्ली के प्रति अपने लगाव और अधूरे रह गए विकास कार्यों पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने भावुक होते हुए कहा, मैं दिल्ली से जा रहा हूं, लेकिन लोगों के दिल से नहीं। सक्सेना ने कहा, दिल्ली सरकार को किसी भी तरह की सहायता या सुझाव की आवश्यकता होगी, तो मैं हमेशा एक फोन पर उपलब्ध रहूंगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि शहर के विकास के लिए उनका सहयोग लद्दाख में रहते हुए भी बना रहेगा। अपने कार्यकाल की समीक्षा करते हुए सक्सेना ने उन सपनों का जिक्र किया जो समय की कमी के कारण धरातल पर नहीं उतर सके। वह नरेला की टीकरी खुर्द झील को एक विश्वस्तरीय रूप में विकसित करना चाहते थे। उन्होंने कहा, मेरा सपना था कि इसे छह माह में पूरा कर दूं, लेकिन अब कह नहीं सकता कि इस पर आगे कितना काम हो पाएगा। सराय काले खां स्थित बासेरा पार्क में एक भव्य बांस का गुंबद बनाने की उनकी योजना थी। इसके लिए पास की कुछ अतिरिक्त जमीन पर काम भी शुरू करवा दिया गया था। अब मिशन लद्दाख पर रहेगा ध्यान उन्होंने कहा कि दिल्ली में अपनी तरफ से उन्होंने अधिकतम प्रयास किए, लेकिन अब उनकी प्राथमिकता लेह-लद्दाख को संवारना होगी। लद्दाख की भौगोलिक और रणनीतिक चुनौतियों के बीच वहां विकास कार्यों को गति देना उनके लिए एक नया और महत्वपूर्ण लक्ष्य है। दिल्ली के नए उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू बुधवार (11 मार्च) को पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे। इसके अगले दिन, यानी 12 तारीख को सक्सेना दिल्ली से लद्दाख के लिए रवाना हो जाएंगे और 13 तारीख को लद्दाख के एलजी के रूप में अपना कार्यभार संभालेंगे।

आईएनए से रायसीना हिल्स तक दौड़ी डबल डेकर बस, सिग्नल पर रुकी तो लोगों ने ली फोटो

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। लुटियन जोन की सड़कों पर दौड़ रही डबल डेकर बस शनिवार की सुबह कौतूहल का केंद्र बनी। सिग्नल पर

जहां भी रुकी, लोगों ने हैरानी से निहारा। फोटो खींचा, खूब वीडियो भी बनाए। वहीं ऊंचाई से दिल्ली की सड़कों को पहली बार निहारते चल रहे पर्यटक भी आनंदित नजर आए। मौका था राष्ट्रपति भवन में शनिवार को आयोजित होने वाले चेंज आफ गार्ड सेरेमनी के लिए पहली बार शुरू डबल डेकर बस सेवा का। दिल्ली पर्यटन विभाग की ओर से इसकी शुरुआत की गई है। इसका उद्देश्य जेन-जी को देश की सेरेमोनियल परंपरा से परिचित कराना है। पर्यटन विभाग के मुताबिक एक्सपीरिएंशल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए गए हैं, ताकि जेन-जी के साथ ही पर्यटक राजधानी दिल्ली की विरासत, संस्कृति और सेरेमोनियल परंपराओं से करीब से जुड़ सकें। इस पहल के तहत राष्ट्रपति भवन में आयोजित होने वाले चेंज आफ गार्ड सेरेमनी देखने के लिए पहला डबल डेकर बस टूर आयोजित किया। यह विशेष टूर हर शनिवार को सुबह 7.30 बजे आइएनए से शुरू हुआ। इसका किराया बच्चों व बड़ों सभी के लिए 199.50 रुपये है।

कुत्ता काटे तो दिल्ली के 2 अस्पतालों में न जाएं, नहीं मिलेगी एंटी-रेबीज वैक्सीन; जीटीबी में बढ़ा दबाव

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार का दावा था कि किसी भी सरकारी अस्पताल में एंटी रेबीज वैक्सीन की कोई कमी नहीं होगी। हालांकि इन दिनों लोगों को कुत्ता काटने के बाद अस्पताल में एंटी रैबीज वैक्सीन न होने से परेशान होना पड़ रहा हैं। आलम यह है कि यमुनपार के ज्यादातर अस्पतालों में वैक्सीन ही नहीं है। जीटीबी अस्पताल में वैक्सीन उपलब्ध है तो यहां मरीजों को घंटों लाइन में लगकर वैक्सीन लगवानी पड़ती है। शास्त्री पार्क स्थित जग प्रवेश चंद्र अस्पताल और डॉ. हेडगेवार आरोग्य संस्थान में एंटी रेबीज वैक्सीन खत्म होने से मरीजों को दूसरे अस्पतालों में रेफर किया जा रहा हैं। दोनों अस्पतालों में वैक्सीन खत्म होने के कारण जीटीबी अस्पताल पर मरीजों का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, जीटीबी में रोजाना दो हजार से अधिक नए मरीज एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने के लिए पहुंच रहे हैं। इसके अलावा करीब एक हजार पुराने मरीज भी अपनी अगली डोज लगवाने के लिए अस्पताल आते हैं। मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण अस्पताल में लंबी कतारें लग रही हैं और लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। जीटीबी में आने वाले करीब 80 प्रतिशत मरीज अन्य अस्पतालों से रेफर होकर पहुंच रहे हैं। अपनी बारी का इंतजार कर रही पूजा निगम ने बताया कि उनके छह वर्षीय बेटे को गली के कुत्ते ने काट लिया था। वह उसे लेकर जग प्रवेश अस्पताल पहुंचीं, जहां डॉक्टर ने ओपीडी कार्ड बनाकर टिटनेस का इंजेक्शन लगा दिया। पूजा के अनुसार, डॉक्टरों ने बताया कि अस्पताल में एंटी रेबीज वैक्सीन खत्म हो गई है, इसलिए उन्हें आगे की वैक्सीन के लिए जीटीबी अस्पताल जाने की सलाह दी गई। इसके बाद वह बेटे को लेकर जीटीबी अस्पताल पहुंचीं, जहां पहले से ही मरीजों की लंबी कतार लगी हुई थी। मंडावली निवासी आलोक ने बताया कि वह वैक्सीन लगवाने के लिए सुबह आठ बजे से अस्पताल में लाइन में खड़े हैं, लेकिन दोपहर बाद तीन बजे तक भी उनका नंबर नहीं आया था। उन्होंने कहा कि बढ़ती गर्मी और भीड़ के कारण मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एंटी रेबीज वैक्सीन सुबह आठ से रात आठ बजे तक लगाई जा रही हैं। सामान्य दिनों में नए व पुराने मरीजों को मिलाकर एक हजार आ जाते थे परंतु कुछ दिनों से संख्या काफी बढ़ गई है। सभी मरीजों को वैक्सीन लगाकर भेजा जा रहा है।

पीएम मोदी के बुराड़ी दौरे पर सड़कों पर रहेगा ट्रैफिक डायवर्जन

बाहरी दिल्ली, एजेंसी। डीडीए उत्सव स्थल-3, निरंकारी मंडल के सामने आधिकारिक समारोह के संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई वीआईपी आठ मार्च को विभिन्न आवासीय परियोजनाओं और दिल्ली मेट्रो के कई खंडों के उद्घाटन के लिए डीडीए उत्सव स्थल, बुराड़ी ग्राउंड का दौरा करेंगे। शांति स्वरूप त्यागी मार्ग कैंप चौक से बुराड़ी चौक तक, शाह आलम बांध मार्ग (शांति स्वरूप त्यागी मार्ग टी प्वाइंट से मजलिस पार्क रेड लाइट तक) सुबह 7.30 बजे से दो बजे तक बंद रहेंगी। केवल लेबल वाले वाहनों को इन सड़कों पर यात्रा करने की अनुमति होगी। सभी यातायात किंग्सवे कैंप चौक से डायवर्ट किए जाएंगे और उन्हें आयोजन स्थल बुराड़ी चौक की और जाने की अनुमति नहीं होगी। सभी यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी यात्रा के लिए बुराड़ी फ्लाईओवर मुकुंदपुर फ्लाईओवर लें और बुराड़ी चौक और मुकुंदपुर चौक से बचें।

फ्लाईओवर के भी शुरू होने की उम्मीद है

मेट्रो से लाखों लोगों को होगा फायदा, डबल डेकर फ्लाईओवर से खत्म होगा जाम

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के लाखों लोगों को रविवार के दिन प्रधानमंत्री मेट्रो की सौगात देंगे। इससे यहां के लाखों लोगों का दिल्ली का सफर आसान होने जा रहा है। मौजपुर से मजलिस पार्क मेट्रो कॉरिडोर के शुरू होने के बाद उत्तर पूर्वी दिल्ली भी रिंग मेट्रो कॉरिडोर का हिस्सा बन जाएगी। वहीं, एक माह में भजनपुरा पर बन रहे डबल डेकर फ्लाईओवर के भी शुरू होने की उम्मीद है। इसके बाद उत्तर पूर्वी दिल्ली के सबसे बड़े जाम प्वाइंट पर भी वाहनचालकों को राहत मिल जाएगी। मेट्रो सेवा शुरू होने से मौजपुर, यमुना विहार, भजनपुरा, खजूरी खास, करावल नगर, गंगा विहार, ब्रह्मपुरी समेत दो दर्जन से अधिक इलाकों के लोगों का सफर आसान हो जाएगा। अभी इन क्षेत्रों के लोगों को दिल्ली के अन्य हिस्सों में जाने के लिए मेट्रो के रेड लाइन के स्टेशनों तक ऑटो या रिक्शा से जाना पड़ता है। इस दौरान ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ता है। मौजपुर-मजलिस पार्क कॉरिडोर के चालू होने के बाद लोगों को तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन का विकल्प मिलेगा। भजनपुरा चौराहा लंबे समय से उत्तर-पूर्वी दिल्ली का सबसे बड़ा जाम प्वाइंट बना हुआ है। यहां से गुजरने वाले हजारों वाहन रोजाना जाम में फंस जाते हैं। मेट्रो लाइन के नीचे बन रहा डबल डेकर फ्लाईओवर इस समस्या को काफी हद तक

कम करेगा। फ्लाईओवर शुरू होने के बाद वाहन बिना रुके सीधे आगे बढ़ सकेंगे, जिससे ट्रैफिक का दबाव कम होगा और लोगों का समय भी बचेगा। भजनपुरा चौराहे पर बन रहा डबल डेकर फ्लाईओवर अपने आप में दिल्ली की पहली ऐसी परियोजना है। इसके ऊपरी स्तर पर मेट्रो ट्रैक बनाया गया है, जबकि उसके नीचे सड़क यातायात के लिए फ्लाईओवर तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य मेट्रो और वाहनों की आवाजाही को सुचारु बनाना है। अभी ऑफिस जाने में काफी समय लग जाता है। मेट्रो शुरू होने के बाद सफर आसान और तेज हो जाएगा। इससे क्षेत्र के विकास में भी तेजी आने की उम्मीद है। - विकास, निवासी खजूरी खास इलाके में ट्रैफिक जाम एक बड़ी समस्या रही है। फ्लाईओवर और मेट्रो के शुरू होने के बाद रोजाना लगने वाले जाम से राहत मिलेगी और लोगों का काफी समय बचेगा।

कैंसर समेत महिला स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए देश बढ़ा रहा मजबूत कदम, क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

नई दिल्ली, एजेंसी। देश कैंसर सहित महिला स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा रहा है। अब सरकार के स्तर पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सशक्तीकरण की केवल कोरी बातें नहीं हो रहीं, बल्कि महिला स्वास्थ्य सुरक्षा को महिला सशक्तीकरण के केंद्र में रख पूरी गंभीरता के साथ काम किया जा रहा है। विशेषकर कैंसर की रोकथाम, मासिक धर्म सुरक्षा चक्र और महिलाओं की बुनियादी स्वास्थ्य जरूरतों पर सरकार और स्वास्थ्य संस्थानों की ओर से कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। भारत में हर वर्ष लगभग 16 लाख नए कैंसर मरीज सामने आते हैं, इनमें करीब 50 प्रतिशत यानी आठ लाख महिलाएं होती हैं। महिलाओं में स्तन कैंसर सबसे अधिक पाया जाता है, इसके बाद गर्भाशय ग्रीवा (सर्विकल), डिम्बग्रंथि (ओवरी), गर्भाशय व फेफड़ों के कैंसर होते हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम (एनसीआरपी) के अनुसार महिलाओं में होने वाले कुल कैंसर मामलों में लगभग 28 प्रतिशत मामले स्तन कैंसर के हैं। इंटरनेशनल एजेंसी फार रिसर्च आन कैंसर के आंकड़ों के मुताबिक भारत में हर वर्ष 1.23 लाख नए सर्विकल कैंसर के मामले सामने आते हैं, जिसमें से करीब 77 हजार महिलाओं की मृत्यु हो जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि टीकाकरण, नियमित जांच और जागरूकता बढ़ाने से इन बीमारियों के बोझ को काफी हद तक कम किया जा

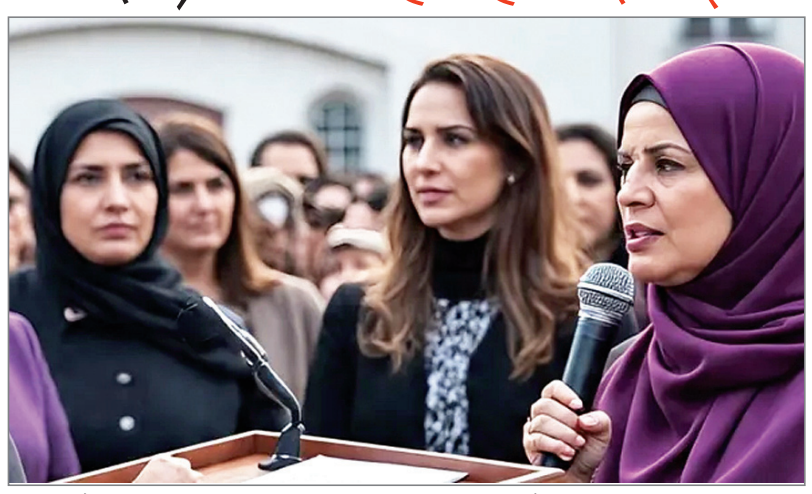

सकता है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार महिला स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़े कार्यक्रमों तेजी से आगे बढ़ाया है। वहीं, किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) टीकाकरण आरंभ किया हैं। एचपीवी संक्रमण सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण है। समय पर टीकाकरण से इस बीमारी को कम किया जा सकता है। इसी तरह महिलाओं में कैंसर की आरंभिक पहचान और प्रभावी उपचार के लिए नेशनल प्रोग्राम फार प्रिवेंशन एंड कंट्रोल आफ कैंसर, डायबिटीज, कार्डियोवैस्कुलर डिजीज एंड स्ट्रोक के तहत 30 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं की स्तन, सर्विकल और मुख कैंसर की स्क्रीनिंग सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में की जा रही है। इसमें एआई का भी उपयोग किया जा रहा है। सरकार ने महिलाओं की बुनियादी स्वास्थ्य जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मासिक धर्म स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया है। महिलाओं को देशभर के जन औषधि केंद्रों पर 'सुविधा सैनिटरी नैपकिन' केवल एक रुपये प्रति पैड की कीमत पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यह विशेष रूप से ग्रामीण व आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं व किशोरियों की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए अति महत्वपूर्ण है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, मासिक धर्म के दौरान अस्वच्छता के कारण प्रजनन तंत्र संक्रमण, मूत्र संक्रमण, त्वचा संक्रमण, सूजन रोग और दीर्घकाल में बांझपन जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

नेतन्याहू ने ईरान पर क्या आरोप लगाए?

परमाणु खतरे को खत्म करना दुनिया के लिए जरूरी

तेल अवीव , एजेंसी। स्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना पूरी दुनिया के लिए जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने हाल के दिनों में आसपास के कई देशों को निशाना बनाया है। इसके साथ ही नेतन्याहू ने इस्राइल की सैन्य ताकत पर कई बातें कही। आइए विस्तार से जानते हैं कि क्या कुछ नेतन्याहू ने ईस्राइली जनता संबोधित किया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना सिर्फ इस्राइल के लिए ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए जरूरी है। नेतन्याहू ने कहा कि अगर इस्राइल अपने अभियान में सफल होता है तो इससे क्षेत्र में शांति का दायरा और बढ़ेगा और कई नए देशों के साथ सहयोग के रास्ते खुलेंगे। इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि ईरान में अयातुल्ला शासन पूरी दुनिया के लिए खतरा बन गया है। उनके अनुसार हाल के दिनों में ईरान ने अपने आसपास के 12 देशों को निशाना बनाया है। उन्होंने कहा कि इन देशों की सुरक्षा को लेकर इस्राइल उनके साथ खड़ा है। नेतन्याहू का कहना है कि ईरान की नीतियां पूरे क्षेत्र में अस्थिरता पैदा

कर रही हैं और इसे रोकना जरूरी है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लेबनान से कहा है कि 2024 के युद्धविराम समझौते को लागू करना उसकी जिम्मेदारी है। एक वीडियो बयान में नेतन्याहू ने कहा कि लेबनान को हिजबुल्लाह को निरस्त्र करना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो हिजबुल्ला की कार्रवाई से लेबनान को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

नेतन्याहू ने आगे कहा कि इस्राइल अपने नागरिकों और सीमावर्ती समुदायों की सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा। उन्होंने लेबनान से कहा कि वह अपनी किस्मत खुद तय करे। वहीं क्षेत्र में तनाव के बीच इस्राइल ने लेबनान के कई इलाकों, जिनमें राजधानी भी शामिल है, पर हमले जारी रखे हैं। नेतन्याहू ने कहा कि कई देशों ने इस्राइल की सैन्य ताकत और उसकी तैयारी को करीब से देखा है। उन्होंने कहा कि इस्राइल की सेना, उसके सैनिकों की बहादुरी और देश की तकनीकी क्षमता ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। उनके अनुसार इस्राइल तेहरान के शासकों के खिलाफ मजबूती से खड़ा है और जरूरत पड़ने पर अपनी सुरक्षा के लिए हर कदम उठाने को तैयार है। नेतन्याहू ने दावा किया कि मौजूदा हालात में कई देश इस्राइल के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई देशों ने इस्राइल की क्षमताओं को देखते हुए उससे संपर्क किया है।

अब हमें मदद की जरूरत नहीं, लेकिन याद रखेंगे', ईरान युद्ध पर डोनाल्ड ट्रंप ने स्टार्मर पर साधा निशाना

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर पर तीखा हमला बोला है। ट्रंप ने कहा कि ब्रिटेन अब मध्य पूर्व में दो विमानवाहक पोत भेजने पर विचार कर रहा है, लेकिन अब इसकी जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि युद्ध लगभग जीत लेने के बाद सहयोग देने का कोई मतलब नहीं होता। ट्रंप ने साफ कहा कि अमेरिका ऐसे देशों को याद रखता है जो संघर्ष के समय साथ खड़े होते हैं और जो देर से आते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि ब्रिटेन कभी अमेरिका का सबसे बड़ा सहयोगी रहा है। उन्होंने कहा कि अब ब्रिटेन मध्य पूर्व में दो विमानवाहक पोत भेजने पर विचार कर रहा है, लेकिन अमेरिका को अब उसकी जरूरत नहीं है। ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका उन लोगों को नहीं चाहता जो युद्ध खत्म होने के बाद शामिल होते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका यह जरूर याद रखेगा कि किसने कब सहयोग दिया। इसके बाद ट्रंप ने कहा कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री शुरुआती दौर में सैन्य सहयोग देने से हिचक रहे थे।

ट्रंप ने ईरानी शासन पर लगाया आरोप, कहा- इसमें अमेरिका का हाथ नहीं

क्या ईरान ने ही मिनाब स्कूल पर किया हमला?

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान के मिनाब शहर के एक स्कूल पर हुआ हमला खुद ईरान ने किया था। इस हमले में 165 लोगों की मौत हुई। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इसमें शामिल नहीं है। आइए, जानते हैं इस पर ट्रंप ने क्या कुछ कहा। अमेरिका और इस्राइल के साथ ईरान के जारी संघर्ष के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान के मिनाब शहर में जिस प्राथमिक स्कूल पर हमला हुआ और जिसमें कम से कम 165 लोगों की मौत हुई, उसके पीछे खुद ईरान जिम्मेदार है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस हमले में शामिल नहीं है। ट्रंप से डेलावेयर के डोवर एयर फोर्स बेस पर एक पत्रकार ने पूछा था कि क्या अमेरिका ने उस स्कूल पर हमला किया था। इस पर ट्रंप ने कहा कि अमेरिका का इससे कोई लेना-देना नहीं है और यह हमला ईरान की ओर से किया गया। ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि रूस ईरान की मदद कर रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा संघर्ष में कई तरह की अफवाहें फैल रही हैं, लेकिन अभी तक रूस की प्रत्यक्ष भूमिका के कोई प्रमाण सामने नहीं आए हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह नहीं चाहते कि कुर्द बल ईरान के अंदर जाकर किसी तरह की सैन्य कार्रवाई करें। उनके अनुसार इससे क्षेत्र में स्थिति और ज्यादा जटिल हो सकती है। ईरान के नेतृत्व को लेकर ट्रंप का क्या बयान रहा? ट्रंप ने कहा कि अमेरिका चाहता है कि ईरान में ऐसा राष्ट्रपति हो जो देश को

युद्ध की दिशा में न ले जाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका हर कुछ वर्षों में फिर से संघर्ष की स्थिति नहीं चाहता। उनके अनुसार अगर ईरान में ऐसा नेतृत्व आता है जो शांति और स्थिरता को प्राथमिकता देता है तो इससे पूरे क्षेत्र में तनाव कम हो सकता है। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर ईरान बिना शर्त आत्मसमर्पण करता है या उसकी सैन्य क्षमता खत्म हो जाती है, तो इसे संघर्ष के अंत के रूप में देखा जाएगा।

डोवर एयर फोर्स बेस पर क्या हुआ?

इस बीच ट्रंप डेलावेयर के डोवर एयर फोर्स बेस पहुंचे, जहां उन्होंने अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जारी युद्ध में मारे गए अमेरिकी सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। वहां अमेरिकी झंडे में लिपटे ताबूतों को विमान से उतारा गया। इस दौरान ट्रंप ने सैनिकों को सलामी दी और उन्हें सम्मान दिया। डोवर एयर फोर्स बेस अमेरिका में युद्ध में मारे गए सैनिकों के पार्थिव शरीर लाने का प्रमुख केंद्र माना जाता है।

तेल की कीमतों और हमलों के आरोपों पर क्या बोले ट्रंप?

ट्रंप ने कहा कि मौजूदा संघर्ष के कारण तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं, लेकिन बाद में वे तेजी से गिर भी सकती हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक बाजार इस स्थिति को धीरे-धीरे संभाल लेगा। वहीं ईरान के उस दावे पर कि अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास क़ेशम द्वीप पर जल शोधन संयंत्र को निशाना बनाया, ट्रंप ने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

ईरान का हमला: ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4 की 27वीं स्ट्राइक, नए ड्रोन-मिसाइलों से अमेरिका-इस्राइल ठिकानों पर निशाना

तेहरान, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4 के तहत 27वीं लहर के हमलों की शुरुआत करने का दावा किया है। ईरान के इस विशिष्ट सैन्य बल ने कहा कि यह कार्रवाई अमेरिका और इस्राइल की ओर से कथित उकसावे वाली सैन्य कार्रवाई के जवाब में की गई है। ईरानी सरकारी प्रसारक प्रेस टीवी के अनुसार, इस चरण में ड्रोन और मिसाइलों के संयुक्त हमले किए गए, जिनका मुख्य निशाना इस्राइल के उत्तरी हिस्सों में मौजूद सैन्य ढांचे को बनाया गया। आईआरजीसी ने बताया कि इस हमले में उसकी एयरोस्पेस डिवीजन ने नए खैबर-शेकन सॉलिड-फ्यूल मिसाइलों का उपयोग किया। इन मिसाइलों में टारगेट तक पहुंचने के अंतिम चरण तक मार्गदर्शन की क्षमता मौजूद है। ईरानी सैन्य बयान के मुताबिक इन मिसाइलों से इस्राइल के उत्तरी शहर हाइफा में मौजूद सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। रिपोर्ट के अनुसार आईआरजीसी ने ड्रोन के

जरिए उन इलाकों को भी निशाना बनाया जहां अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। दावा किया गया कि एक ड्रोन यूनिट ने उस स्थान को निशाना बनाया जहां अमेरिकी बल मौजूद थे और जो वार्नर ब्रदर्स कंपनी की इमारतों के पास स्थित है। आईआरजीसी ने यह भी कहा कि उसकी नौसेना ने बहरीन के सलमान पोर्ट पर मौजूद अमेरिकी नौसेना के ढांचे को निशाना बनाया। यह स्थान अमेरिकी नेवी के पांचवें फ्लीट से जुड़ा माना जाता है। ईरानी सेना के अनुसार यहां मानव रहित सतही जहाजों के कमांड सेंटर और सैन्य सहायता हैंगर पर हमले किए गए। ईरान का दावा है कि इन हमलों के बाद इस्राइल के कई क्षेत्रों में लगातार आपातकालीन सायरन बज रहे हैं और हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। आईआरजीसी ने यह भी आरोप लगाया कि इस्राइली प्रशासन सैन्य ठिकानों की सुरक्षा के लिए नागरिकों को कुछ इलाकों में सीमित कर रहा है।

आईआरजीसी ने अपने बयान में कहा कि ईरानी सशस्त्र बल लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष के लिए तैयार हैं और उनकी यूनिट्स सटीक योजना के साथ अमेरिकी बलों की गतिविधियों पर नजर रख रही हैं।गौरतलब है कि ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4 की शुरुआत पिछले सप्ताह विदेशी हमलों के बाद हुई थी। इसके बाद से ईरान की ओर से सैकड़ों बैलिस्टिक मिसाइल और आत्मघाती ड्रोन दागे जाने का दावा किया गया है। इनमें तेल अवीव, यरूशलेम और बेर्शेबा जैसे अहम इलाकों को निशाना बनाने की बात कही गई है।

संपादकीय | ईरान-इजरायल में बढ़ती जंग चिंताजनक

इसमें कोई दोराय नहीं कि ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद अब स्थिति और जटिल होती देखी जा रही है तथा दोनों पक्षों के बीच बढ़ती तल्खी के समांतर शांति की उम्मीद भी धुंधला रही है। मगर इस हालत में भी दुनिया के ज्यादातर देश यही चाहते हैं कि यह युद्ध रुके और विवाद का हल संवाद के सहारे ही निकाला जाए।

विडंबना यह है कि ईरान में परमाणु हथियारों का सवाल अमेरिका के लिए बड़ा है, लेकिन वह इस मसले पर बातचीत के जरिए हल निकालने में कोई रुचि नहीं दिखा रहा। उल्टे इजराइल के साथ मिल कर उसने जिस स्तर का युद्ध छेड़ दिया है, वह परमाणु निरस्त्रीकरण में कैसे मददगार होगा, कहना कठिन है। खासतौर पर इस संदर्भ में ईरान ने जिस तरह की प्रतिक्रिया दी और उसने भी इजराइल तथा अमेरिका के सैन्य ठिकानों पर व्यापक हमले किए हैं, उससे साफ लग रहा है कि शांति स्थापित करने को लेकर दोनों पक्षों के भीतर कोई खास रुचि नहीं है। इसी वजह से दुनिया भर में इस बात को लेकर गहरी चिंता जाहिर की जा रही है कि कहीं युद्ध का दायरा फैल न जाए!

ऐसे में भारत ने जिस तरह सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव को कम करने के लिए संवाद और कूटनीति का रास्ता अपनाने का आग्रह किया है, वह वक्त का तकाजा है। हालांकि भारत पारंपरिक रूप से शांति का पक्षधर रहा है और समस्या चाहे कितनी जटिल हो, उसका समाधान संवाद और कूटनीतिक पहल के जरिए ही निकालने का हामी है। इस क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया की स्थिति भारत के लिए चिंता का विषय है; सैन्य टकराव किसी विवाद का समाधान नहीं है। भारत ने इस युद्ध से प्रभावित

कई देशों से संपर्क कर शांति की वकालत की और अपने नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

इससे पहले संयुक्त राष्ट्र महासचिव अंतोनियो गुतारेस ने भी इस युद्ध की निंदा की और दोनों पक्षों से अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने की अपील की थी। अफसोस की बात है कि सभी तकाजों की अनदेखी कर युद्ध में शामिल देश व्यापक जनसंहार के हथियारों से हमला करते हुए इतना ध्यान रखना भी जरूरी नहीं समझते कि उन्होंने किसी स्कूल पर भी बम गिराया, जहां पढ़ने वाले कई मासूमों की जान चली गई।

सवाल है कि वह कौन-सी समस्या है, जिसका हल विनाश के हथियारों के जरिए निकलने की उम्मीद की जाती है। आखिर ऐसा क्यों है कि अक्सर युद्धों के लंबा खिंचने और भारी तबाही के बाद उसका समाधान संवाद की मेज पर ही निकलता देखा गया है? ज्यादातर युद्धों के मामले में यही सच है। फिर उनसे सबक लेकर तमाम असहमतियों या मतभेदों के बावजूद संवाद का सहारा लेकर विवाद का हल क्यों नहीं खोजा जाता? अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आरोप रहा है कि ईरान परमाणु हथियार बना रहा है। मगर इस संबंध में जिनेवा में हुई बातचीत को आगे बढ़ाने और हल निकालने के बजाय युद्ध को ही आखिरी उपाय क्यों मान लिया गया? खासतौर पर तब, जब ईरान का रुख नरम पड़ रहा था और ऐसे संकेत भी सामने आए थे कि कोई समझौता होने की संभावना है।

जाहिर है, विवाद का हल निकालने की स्थितियां संवाद के जरिए ही बन रही थी। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि खुद में एक जटिल समस्या है। इसलिए हर हाल में विवाद का हल संवाद और कूटनीति के जरिए ही तलाशने की कोशिश की जानी चाहिए।

अदालतों में न्याय की धीमी रफ्तार पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता

अगर किसी नागरिक को न्याय पाने के लिए वर्षों तक इंतजार करना पड़े, तो आखिर उसका क्या महत्त्व रह जाता है! माना जाता है कि समय पर न्याय न मिलना अन्याय के समान होता है। मगर इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि देश में बड़ी संख्या में लोगों को इस तरह के संकट का सामना करना पड़ता है। न्याय में देरी के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें लंबित मामलों का बोझ, न्यायाधीशों की कमी और जटिल न्यायिक प्रक्रिया भी शामिल है। मगर, जब अदालती कार्यवाही पूरी होने के बाद भी वर्षों तक न्याय के लिए प्रतीक्षा करनी पड़े, तो उसे किस रूप में देखा जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में ऐसे ही तीन आपराधिक मामले इलाहाबाद उच्च न्यायालय से अपने पास स्थानांतरित किए हैं। इन मामलों में उच्च न्यायालय ने छह वर्ष पहले फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिन पर अब तक निर्णय नहीं सुनाया गया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि न्याय में हो रही असाधारण देरी से पीड़ित पक्ष के त्वरित न्याय के अधिकार पर सीधा असर पड़ रहा है। किसी भी नागरिक को न्यायपालिका पर पूरा भरोसा होता है कि उसे न्याय अवश्य मिलेगा। मगर न्याय में देरी पीड़ितों को न केवल आर्थिक, बल्कि मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक रूप से भी नुकसान पहुंचाती है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी अपने फैसले में माना है कि समय पर न्याय न मिलना कानून के शासन के लिए नुकसानदेह हो सकता है। यह सच है कि देश में लंबित मुकदमों का बोझ भी समय पर न्याय न मिलने का एक बड़ा कारण है। राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड के आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर 2025 तक देश भर की अदालतों में पांच करोड़ से अधिक मुकदमे लंबित हैं। माना जाता है कि न्यायाधीशों की कमी और लंबी एवं जटिल न्यायिक प्रक्रिया की वजह से भी मामलों की सुनवाई में देरी होती है। ऐसे में सरकार और न्यायपालिका को मिलकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मुकदमों की बढ़ती संख्या के लिहाज से न्यायाधीशों की कमी को दूर किया जाए, न्यायिक प्रक्रिया को सुलभ एवं सरल बनाया जाए और अदालती कार्यवाही पूरी होने पर न्याय में किसी तरह की देरी न हो, ताकि न्यायपालिका पर आम लोगों का भरोसा कायम रहे।

आज का कार्टून

बिहार : नए मुख्यमंत्री के सामने नीतीश से अधिक करके दिखाने की चुनौती

अकु श्रीवास्तव

बिहार की राजनीति में सस्पैंस चरम पर है। राज्यसभा के लिए नामांकन के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी 2 दशक से पुरानी मुख्यमंत्री की कुर्सी से मोह त्यागने का फैसला कर लिया है। यह बिहार में नीतीश युग के समापन का शंखनाद है। 1 मार्च को ही नीतीश ने उम्र का 75 साल का पड़ाव पार किया। भारतीय राजनीति में पिछले एक दशक से नेताओं के लिए 75वां वर्ष वानप्रस्थ के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। हालांकि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रदेश की राजनीति से अलग होने की इच्छा जताते समय अपनी उम्र का कोई उल्लेख नहीं किया, मगर उम्र का पड़ाव एक ऐसा सच है, जो किसी से छुपा भी नहीं है। वैसे भी नीतीश कुमार राज्यसभा में तो रहेंगे ही और उन्होंने अपने राज्यसभा जाने के फैसले में जो संदेश 'एक्स' पर जारी किया था, उसमें भी उल्लेख है कि उनकी सहयोगी की भूमिका बनी रहेगी। उधर भाजपा नेता और गृहमंत्री अमित शाह पिछले दिनों यह स्पष्ट कर चुके हैं कि पार्टी संविधान में ऐसी कोई बाध्यता नहीं है। बिहार में विधानसभा चुनाव बीते अभी ठीक से 3 महीने से कुछ ज्यादा ही समय हुआ है। बिहार का विधानसभा चुनाव भाजपा-जद (यू) गठबंधन ने नीतीश के चेहरे पर ही जीता था। हालांकि चुनाव के दौरान कुछ लोग अटकलें लगा रहे थे कि बड़ी जीत के बाद भाजपा मुख्यमंत्री पद का दावा कर सकती थी लेकिन नीतीश के नेतृत्व में चुनाव जीता गया था, इसीलिए वह रिकार्ड 10वीं बार मुख्यमंत्री भी बने।

नीतीश कुमार 2 दशक से ज्यादा समय से बिहार की राजनीति की धुरी माने जा रहे हैं। सीटें कम आईं, ज्यादा आईं, कुर्सी पर वही रहे (अपवादस्वरूप एक बार खुद उन्होंने ही जीतन राम मांझी को कुछ महीनों के लिए मुख्यमंत्री बनाया था)। इसी से उनकी यह छवि मजबूत हुई है कि वह बिहार के धुरी हैं। दलितों में महादलित बनाने के बड़े काम के अलावा कुर्मी-कुशवाहा पिछड़े और महा पिछड़े का संतुलन बनाकर उन्होंने पिछड़ों का मसीहा बनने की कोशिश कर रहे लालू प्रसाद यादव और उनकी पार्टी को बिहार की राजनीति के उस कोने में बैठा दिया है, जो विपक्ष का कोना कहलाता है। नीतीश कुमार ने कभी मूल्यों की राजनीति से अपनी पहचान बनाई थी। अटल बिहारी वाजपेयी की राजग सरकार में उन्हें रेलमंत्री बनाया गया था, 1 अगस्त, 1999 को गैसल रेल हादसे की जिम्मेदारी लेते हुए पद से इस्तीफा दे दिया था। मार्च 2000 में वाजपेयी सरकार के समर्थन पर समता पार्टी के सदस्य के रूप में वह पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री बने। उनका पहला कार्यकाल सिर्फ 7 दिन का था। सदन में बहुमत साबित करने से पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद 2005 में उन्होंने भाजपा के साथ मिलकर बहुमत से सरकार बनाई। उनका यही कार्यकाल बिहार और बिहार की राजनीति को बदलने वाला कहा जाता है।

मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने एक लाख से अधिक स्कूल शिक्षकों की नियुक्ति की। कई गांवों में बिजली पहुंचाई, सड़कों का निर्माण किया, महिला निरक्षरता दर आधी कर दी, अपराध पर नकेल कसी, बिहार के लोगों की औसत आय भी तेजी से बढ़ी। अपने पहले पूर्ण कार्यकाल में उन्होंने कई बड़े काम किए। उन्होंने छात्राओं को साइकिल देने और स्कूल में भोजन कार्यक्रम शुरू किया।

इससे बड़ी संख्या में लड़कियों ने स्कूलों में दाखिला लेना शुरू किया और स्कूल छोड़ने की दर में भी कमी आई। 2010 के चुनाव में पहली बार बिहार में महिला और युवा मतदाताओं की उच्च भागीदारी देखने को भी मिली। यह नीतीश की बढ़ती लोकप्रियता का प्रतीक था। नीतीश कुमार को बिहार में सुशासन बाबू नाम मिला तो इसके पीछे उनके द्वारा किए गए कार्य ही थे। शराबबंदी ने महिलाओं के बीच उनकी लोकप्रियता को और बढ़ाया। नीतीश कुमार ने बिहार में जो किया है, उसके बाद अब उनकी जगह लेने वाले मुख्यमंत्री के लिए उससे आगे बढ़कर करने की चुनौती होगी। भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, ढांचागत विकास और गरीबी अब भी बिहार की सबसे बड़ी समस्याएं हैं। झारखंड के अलग हो जाने के बाद बिहार पूरी तरह से कृषि पर निर्भर है और कृषि आधारित व्यवस्था मौजूदा समय में लाभ का बड़ा सौदा नहीं है।

माना जा रहा है कि नया मुख्यमंत्री भाजपा से होगा। यह मानने के पीछे ठोस वजह है कि भाजपा सबसे बड़ा दल है और इसलिए मुख्यमंत्री उसका होना चाहिए। मगर बिहार में मुख्यमंत्री का पद कांटों का ताज भी है। इसके साथ चुनौतियां भी हैं।

वहां सिर्फ दलीय समीकरण ही मायने नहीं रखते, सामाजिक या कहें जातीय समीकरण भी साधने पड़ते हैं। नीतीश ने जातीय समीकरण बड़े सलीके से साधे थे और जो वर्ग या जाति उनके साथ नहीं थी, वह भाजपा के साथ थी। अल्पसंख्यकों का एक वर्ग भी उनके साथ था। सीमैंट मजबूत था। लेकिन अब भाजपा के नेतृत्व में चीजें आने से समीकरणों की रिसैटिंग होगी ही। भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती जो दिख रही है, वह है पिछड़ों के अलावा अति पिछड़े और दलितों को साधे रखना। यूं तो ये वर्ग या तो जद (यू) के साथ हैं या फिर भाजपा के साथ लेकिन भाजपा के नेतृत्व में आते ही इन समीकरणों को पुख्ता करना नए मुख्यमंत्री की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

बिहार की राजनीति के मद्देनजर यह तय है कि मुख्यमंत्री पिछड़े/अति पिछड़े वर्ग का ही होगा। लेकिन सबको साधना आसान काम नहीं होगा। यह जरूर है कि भाजपा की सरकार बनने के बाद बहुत दिन बाद उसका मूल वोटर, जिसमें पिछड़ों का एक वर्ग और सवर्ण वोट है, उसकी बांछें खिल सकती हैं। लेकिन सबको लेकर चलना आसान नहीं होगा, खास तौर से जब जातीय हित भी टकराते हैं। वैसे नए मुख्यमंत्री के सामने शासन में कायाकल्प की चुनौती भी होगी, क्योंकि उसे कुछ नया कर दिखाना होगा, नीति के तौर पर भी और सामने दिखने के तौर पर भी। उम्मीद है कि नई सरकार कुछ नए रास्ते बनाने वाली होगी।

> माना जा रहा है कि नया मुख्यमंत्री भाजपा से होगा। यह मानने के पीछे ठोस वजह है कि भाजपा सबसे बड़ा दल है और इसलिए मुख्यमंत्री उसका होना चाहिए। मगर बिहार में मुख्यमंत्री का पद कांटों का ताज भी है। इसके साथ चुनौतियां भी हैं। वहां सिर्फ दलीय समीकरण ही मायने रखते, सामाजिक या कहें जातीय समीकरण भी साधने पड़ते हैं। नीतीश ने जातीय समीकरण बड़े सलीके से साधे थे और जो वर्ग या जाति उनके साथ नहीं थी, वह भाजपा के साथ थी। अल्पसंख्यकों का एक वर्ग भी उनके साथ था। सीमैंट मजबूत था। लेकिन अब भाजपा के नेतृत्व में चीजें आने से समीकरणों की रिसैटिंग होगी ही। भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती जो दिख रही है, वह है पिछड़ों के अलावा अति पिछड़े और दलितों को साधे रखना। यूं तो ये वर्ग या तो जद (यू) के साथ हैं या फिर भाजपा के साथ लेकिन भाजपा के नेतृत्व में आते ही इन समीकरणों को पुख्ता करना नए मुख्यमंत्री की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

राज्यपाल पद पर फेरबदल कर दिये बड़े सियासी संकेत...

> पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस बदलाव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने फोन कर आरएन रवि की नियुक्ति की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्यपाल सीवी आनंद बोस के अचानक इस्तीफे की खबर से वे चकित और चिंतित हैं। ममता बनर्जी ने यह भी कहा कि राज्य सरकार से इस बारे में पहले कोई परामर्श नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि यह स्थापित परंपरा के अनुरूप नहीं है। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कुछ राजनीतिक हितों के कारण यह कदम उठाया गया हो सकता है।

नीरज कुमार दुबे

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को देश के कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राज्यपाल तथा उपराज्यपालों की नई नियुक्तियों की घोषणा की। इस फैसले को व्यापक प्रशासनिक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। इस बदलाव के तहत पश्चिम बंगाल, तमिल नाडु, महाराष्ट्र, तेलंगाना, नागालैंड, बिहार, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और लद्दाख सहित कई स्थानों पर नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

सबसे प्रमुख बदलाव तमिल नाडु के राज्यपाल आरएन रवि के स्थानांतरण के रूप में सामने आया है। उन्हें अब पश्चिम बंगाल का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वह सीवी आनंद बोस का स्थान लेंगे, जिन्होंने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। बोस पिछले साढ़े तीन वर्ष से पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे और उन्होंने दिल्ली में राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंपा।तमिल नाडु में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए राजेंद्र विश्वनाथ अरलेकर को वहां का नया राज्यपाल बनाया गया है। इससे पहले वह केरल में राज्यपाल के रूप में कार्य कर रहे थे। चुनावी माहौल को देखते हुए इस नियुक्ति को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दिल्ली और लद्दाख में भी अहम बदलाव हुए हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को अब लद्दाख का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। वहीं अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत तरणजीत सिंह संधू को दिल्ली का नया उपराज्यपाल बनाया गया है। संधू लंबे समय तक कूटनीतिक सेवा में रहे हैं और विदेश नीति से जुड़े महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं।

तेलंगाना और महाराष्ट्र में भी राज्यपाल बदले गए हैं। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल को अब तेलंगाना का राज्यपाल बनाया गया है। वहीं तेलंगाना के राज्यपाल रहे जिष्णु देव वर्मा को महाराष्ट्र का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। नागालैंड के नए राज्यपाल के रूप में बिहार भाजपा के वरिष्ठ नेता नंद किशोर यादव को जिम्मेदारी दी गई है। बिहार में भी नई नियुक्ति की गई है। सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल सयद अता हसनैन को बिहार का राज्यपाल बनाया गया है। सेना में लंबे अनुभव वाले हसनैन सुरक्षा और रणनीति के मामलों के विशेषज्ञ माने जाते हैं। उन्होंने आरिफ मोहम्मद खान की जगह ली है।

इस फेरबदल में हिमाचल प्रदेश के लिए भी नई नियुक्ति की गई है। लद्दाख के उपराज्यपाल रहे कविंदर गुप्ता को हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल बनाया गया है। कविंदर गुप्ता ने गुरुवार को लद्दाख के उपराज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया था। उनका कार्यकाल हालांकि काफी चर्चा में रहा। हम आपको याद दिला दें कि कविंदर गुप्ता को जुलाई 2025 में लद्दाख का उपराज्यपाल बनाया गया था। उनके कार्यकाल के दौरान 24 सितंबर 2025 को लेह शहर में हिंसक घटना हुई थी। उस दिन क्षेत्र को संवैधानिक सुरक्षा देने की मांग को लेकर चल रहा प्रदर्शन हिंसक हो गया था। हालात बिगड़ने पर पुलिस की गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें करगिल युद्ध का एक पूर्व सैनिक भी शामिल था। इस घटना ने देश भर में व्यापक चर्चा को जन्म दिया था।

तमिल नाडु में आर एन रवि और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की सरकार के बीच संबंध भी काफी तनावपूर्ण रहे। सत्तारुढ़ डीएमके ने कई बार आरोप लगाया कि राज्यपाल निर्वाचित सरकार के समानांतर राजनीतिक भूमिका निभा रहे हैं। राज्यपाल रवि ने कई विधेयकों को मंजूरी देने में देर की थी। इसके बाद अप्रैल 2025 में उच्चतम न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा और दस विधेयकों को प्रभावी रूप से स्वीकृत मान लिया गया।

राज्यपाल रवि कई बार विधानसभा में सरकार के तैयार भाषण को पढ़े बिना ही बाहर चले गए या फिर अपने विचारों के अनुसार भाषण में बदलाव किया। उन्होंने यह भी कहा था कि यदि निर्णय उन पर होता तो वे नीट से छूट देने वाले विधेयक को कभी मंजूरी नहीं देते। इन घटनाओं के कारण राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच लगातार टकराव की स्थिति बनी रही।

आरएन रवि का प्रशासनिक और सुरक्षा क्षेत्र में लंबा अनुभव रहा है। वह भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी रहे हैं और खुफिया ब्यूरो में भी महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। वर्ष 2014 से 2021 के बीच वे नागा शांति वार्ता के लिए केंद्र सरकार के वार्ताकार भी रहे थे। उधर, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस बदलाव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने फोन कर आरएन रवि की नियुक्ति की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्यपाल सीवी आनंद बोस के अचानक इस्तीफे की खबर से वे चकित और चिंतित हैं। ममता बनर्जी ने यह भी कहा कि राज्य सरकार से इस बारे में पहले कोई परामर्श नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि यह स्थापित परंपरा के अनुरूप नहीं है। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कुछ राजनीतिक हितों के कारण यह कदम उठाया गया हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि ऐसा हुआ है तो यह संविधान की भावना और देश की संघीय संरचना के लिए चिंताजनक स्थिति होगी। बहरहाल, मोदी सरकार जल्द ही अपने तीसरे कार्यकाल के दो वर्ष पूरे करने वाली है। ऐसे में माना जा रहा है कि महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियों और बदलावों का दौर शुरू हो चुका है। देखना होगा कि आने वाले समय में मोदी मंत्रिमंडल में क्या फेरबदल होते हैं या अन्य महत्वपूर्ण पदों पर क्या बदलाव देखने को मिलते हैं।

डे-नाइट टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा कायम

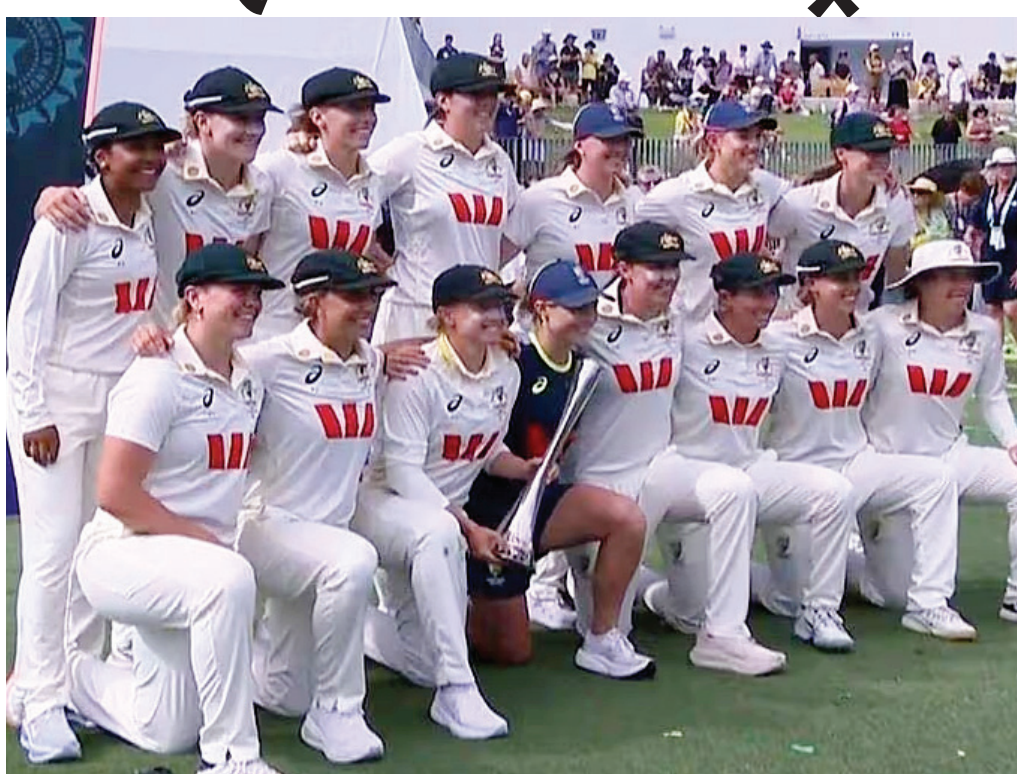

भारतीय महिला टीम को हराया

एलिसा हीली की शानदार विदाई

पर्थ, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने महिलाओं के एकमात्र दिन-रात्रि क्रिकेट टेस्ट में अपना दबदबा बरकरार रखते हुए रविवार को तीसरे दिन भारत के खिलाफ 10 विकेट की आसान जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दूसरी पारी में 149 रन पर समेटने के बाद 25 रन के मामूली लक्ष्य को बिना किसी परेशानी के हासिल कर लिया। यह कप्तान एलिसा हीली के लिए शानदार विदाई रही जिन्होंने अपने करियर का अंत एक ऐसे विरोधी पर शानदार जीत के साथ किया जिसके खिलाफ उन्होंने हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया।

149 रन पर सिमटी भारत की दूसरी पारी

भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में छह विकेट पर 105 रन से आगे खेलते हुए 48.2 ओवर में 149 रन पर सिमट गई जिसमें प्रतिका रावल ने 137 गेंद में 63 रन की पारी खेली। एशले गार्डनर (आठ रन पर दो विकेट) ने स्नेहा राणा (30) और प्रतिका को आउट किया। गार्डनर ने स्नेह को बोल्ड करके इस साझेदारी को तोड़ा। प्रतिका भी इसके बाद ऑफ स्पिनर गार्डनर की गेंद को पुल करने की कोशिश में हवा में लहरा गईं और मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी एनाबेल सदरलैंड ने उनका शानदार कैच लपका जिससे भारतीय पारी का अंत हुआ।

लूसी ने किया कमाल

ऑस्ट्रेलिया की सबसे सफल गेंदबाज लूसी हैमिल्टन रहीं जिन्होंने 32 रन पर तीन विकेट चटकाए, जबकि सदरलैंड ने 15 और एलेना किंग ने 23 रन पर दो-दो विकेट हासिल किए। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए सिर्फ 25 रन की दरकार थी और सलामी बल्लेबाजों जॉर्जिया वोल (नाबाद 16) और फोबे लिचफील्ड (नाबाद 11) ने 4.3 ओवर में ही बिना विकेट खोए 28 रन बनाकर मेजबान टीम को जीत दिला दी।इससे पूर्व भारत ने पहली पारी में 198 रन बनाए थे जिसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने सदरलैंड के 129 रन की मदद से 323 रन बनाकर मेजबान टीम को पहली पारी में अहम बढ़त दिलाई थी। मैच के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा, हमने टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज जीतकर अच्छी शुरुआत की लेकिन वनडे और टेस्ट मैच में अच्छा काम जारी नहीं रख सके लेकिन ऑस्ट्रेलिया में पूर्ण सीरीज खेलना एक अच्छा अनुभव था। गुलाबी गेंद का टेस्ट एक अलग चुनौती थी।

न्यूजीलैंड विमेंस पेसर ली ताहूहू का वनडे क्रिकेट से संन्यास

व्हाइटफर्न्स की टॉप विकेट टेकर रहीं; कहा- टी-20 वर्ल्ड कप अगला टारगेट

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड विमेंस क्रिकेट टीम की अनुभवी तेज गेंदबाज ली ताहूहू ने वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया। 35 साल की ताहूहू ने अपने 15 साल लंबे वनडे करियर पर ब्रेक लगाया। वे टी-20 क्रिकेट खेलना जारी रखेंगी, उन्होंने कहा कि उनका टारगेट इस साल जून में होने वाला वर्ल्ड कप है। न्यूजीलैंड की सबसे सफल वनडे गेंदबाज ताहूहू ने 2011 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया था। तब से वे कीवी टीम के बॉलिंग डिपार्टमेंट को लीड कर रही हैं। उन्होंने पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना आखिरी वनडे खेला। इस मुकाबले में उन्होंने 9 रन देकर 1 विकेट लिया।

ताहूहू के नाम 3 बड़े रिकॉर्ड्स

- **सबसे ज्यादा विकेट:** वे न्यूजीलैंड की ओर से वनडे में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। उन्होंने 103 मैचों में 125 विकेट झटके।
- **100 मैचों का क्लब:** वे न्यूजीलैंड की उन चुनिंदा 12 महिला खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने 100 से ज्यादा वनडे मैच खेले।
- **वर्ल्ड कप का अनुभव:** ताहूहू ने अपने करियर में 4 वनडे वर्ल्ड कप (2013, 2017, 2022 और 2025) खेले।

सपना सच होने जैसा रहा सफर

ताहूहू संन्यास की घोषणा करते हुए ताहूहू भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा, 'व्हाइटफर्न्स के लिए वनडे खेलना हमेशा गर्व की बात रही। जब मैंने शुरुआत की थी, तो एक मैच खेलना भी बड़ी बात थी, लेकिन अपने देश के लिए 100 से ज्यादा मैच खेलना मेरे लिए सपने जैसा है। मैं इस सफर की हर याद को संजोकर रखूंगी। '

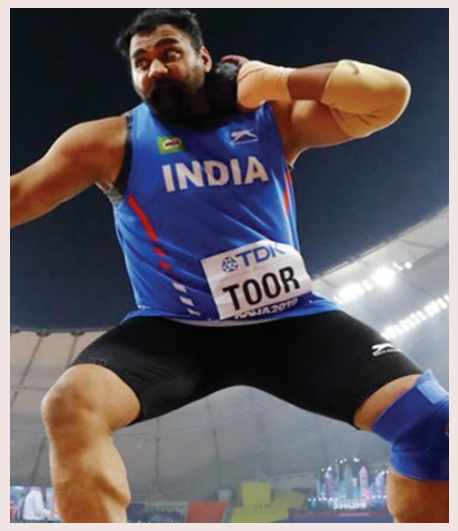

तजिंदरपाल सिंह ने बढ़ाया मान, 20 मीटर से अधिक के थ्रो के साथ गोला फेंक में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। तजिंदरपाल सिंह तूर ने शनिवार को इंडियन ओपन थ्रो प्रतियोगिता के पहले दिन गोला फेंक (शॉट पुट) स्पर्धा में 20 मीटर से अधिक का थ्रो करके स्वर्ण पदक जीता।एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक तजिंदरपाल सिंह तूर ने शनिवार को इंडियन ओपन थ्रो प्रतियोगिता के पहले दिन गोला फेंक (शॉट पुट) स्पर्धा में 20 मीटर से अधिक का थ्रो करके स्वर्ण पदक जीता। पंजाब के 31 वर्षीय एथलीट ने सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 20.51 मीटर की दूरी के थ्रो से स्वर्ण पदक जीता।पटियाला स्थित राष्ट्रीय खेल संस्थान परिसर में दो दिवसीय प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद तूर ने कहा, मैं अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हूं। तूर ने दो अन्य प्रयासों (20.02 मीटर और 20.07 मीटर) में भी 20 मीटर का आंकड़ा पार किया जिससे संकेत मिलता है कि उनका प्रशिक्षण सत्र अच्छा चल रहा था। उनके अन्य तीन प्रयास विफल रहे। तूर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 21.17 मीटर जून 2023 में बना था। इस सत्र में उनका मुख्य लक्ष्य जापान के आइची-नागोया एशियाई खेलों में अपने खिताब को बरकरार रखने के लिए साल के अंत तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। पटियाला में शनिवार को आयोजित हैमर थ्रो प्रतियोगिता में रिलायंस का प्रतिनिधित्व करने वाले स्वर्ण पदक विजेता दमनीत सिंह पर भी सबकी निगाहें टिकी थीं।

ब्रेट ने पांच गेंदों में पांच विकेट लिए: न्यूजीलैंड के डोमेस्टिक टूर्नामेंट में किया कारनामा

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के घरेलू टूर्नामेंट प्लंकेट शील्ड में 8 मार्च को सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के ब्रेट रैंडेल नाम के तेज गेंदबाज ने इतिहस रच दिया। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स और नॉर्दर्न ड्रिस्ट्रिक्ट्स के बीच नेपियर के मैकलीन पार्क में खेले जा रहे मुकाबले में रैंडेल ने पहली पारी में लगातार 5 गेंदों पर 5 विकेट झटक लिए। फर्स्ट क्लास क्रिकेट के इतिहास में पहली बार किसी गेंदबाज ने लगातार पांच गेंदों पर पांच विकेट झटके हैं। इससे पहले आयरलैंड के ऑलराउंडर कर्टिस कैम्फर ने 2021 में एक घरेलू टी-20 मैच में लगातार पांच गेंदों पर पांच विकेट झटके थे। रैंडेल की गेंदबाजी से नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की टॉप ऑर्डर ढह गई। टीम 9 रन पर 5 विकेट गंवा बैठी, वह भी सिर्फ रैंडेल की पांच गेंदों में। रैंडेल ने अपनी दूसरी ओवर की आखिरी गेंद पर ओपनर हेनरी कूपर को बोल्ड किया। अगली ओवर की पहली गेंद पर जीत रावल को आउट किया। इसके बाद जो कार्टर को कैच आउट कराकर हैट्रिक पूरी की। चौथा विकेट रॉबर्ट ओ'डॉनेल का रहा, जो स्लिप में कैच हुए। पांचवां विकेट क्रिस्टियन क्लार्क का रहा, जिनका अंदरूनी किनारा लगकर गेंद स्टंप्स से टकरा गई। उस समय रैंडेल के आंकड़े 2.4 ओवर में 2 रन देकर 5 विकेट थे। बाद में रैंडेल ने आठ गेंदों में छह विकेट लेकर एक और रिकॉर्ड बनाया। रैंडेल ने 3.5 ओवर में सात विकेट पूरे किए और 11 ओवर में 25 रन देकर करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (7/25) किया।

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश ने प्राग अंतर्राष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट में स्पेन के डेविड एंटोन गुइजारो को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश ने कल चेक गणराज्य में आयोजित प्राग अंतर्राष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट के मास्टर्स वर्ग के नौवें और अंतिम दौर में स्पेन के डेविड एंटोन गुइजारो को हराया। भारत के अरविंद चिदंबरम ने अंतिम दौर में चेक गणराज?य के डेविड नवारा को हराकर 5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरा स्थान हासिल किया। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव 6 अंकों के साथ पहले स्थान पर रहे। चैलेंजर्स वर्ग में, भारत की दिव्या देशमुख ने चेक गणराज्य की हर्बेक स्टेपन को हराकर 5 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। ग्रैंडमास्टर सूर्य शेखर गांगुली 4 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

अमीलिया ने 44 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा: वनडे में 7 विकेट लिए

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड विमेंस की कप्तान अमीलिया कर ने रविवार को डुनेडिन के यूनिवर्सिटी ओवल मैदान में इतिहास रच दिया। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे वनडे में कर ने महज 34 रन देकर 7 विकेट झटके। यह न्यूजीलैंड विमेंस के लिए वनडे क्रिकेट में अब तक की बेस्ट बॉलिंग परफॉर्मेंस है।जैकी लॉर्ड का 1982 में बना रिकॉर्ड तोड़ा अमीलिया कर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 7 विकेट लेकर जैकी लॉर्ड का 44 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। जैकी ने 1982 के विमेंस वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ महज 10 रन देकर 6 विकेट लिए थे। तब से कोई भी कीवी गेंदबाज एक पारी में 7 विकेट नहीं ले पाई थीं।जिम्बाब्वे की पारी 102 रन पर सिमटी न्यूजीलैंड की घातक गेंदबाजी के सामने जिम्बाब्वे की टीम ताश के पत्तों की तरह ढह गई। पूरी टीम 102 रन ही बना पाई। ओपनर केलिस एनध्लोवु ने 12 और विकेटकीपर मोडेस्टर मुपाचिक्वा ने 32 रन बनाकर टीम को 50 के पार पहुंचाया। वहीं औड्रे माज्विशाया ने 13 और तेंदाई माकुशा ने 12 रन बनाकर जिम्बाब्वे को किसी तरह 100 रन के पार कराया। न्यूजीलैंड के लिए मौली पेनफोल्ड ने जिम्बाब्वे के टॉप ऑर्डर को तोड़ते हुए शुरुआती 3 विकेट लिए। इसके बाद कर ने मोर्चा संभाला और एक के बाद एक 7 विकेट लेकर जिम्बाब्वे की कमर तोड़ दी। ब्री इलिंग, रोजमेरी मेयर और नेन्सी पटेल कोई विकेट नहीं ले पाईं। दुनिया की 7वीं गेंदबाज बनीं अमीलिया अमीलिया कर दुनिया की 7वीं ही गेंदबाज बनीं, जिन्होंने एक विमेंस वनडे में 7 विकेट लिए।

ऑल इंग्लैंड ओपन 2026: विक्टर लाई को हराकर लक्ष्य सेन ने कटाया फाइनल का टिकट

बर्मिंघम, एजेंसी। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने ऑल इंग्लैंड ओपन चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। लक्ष्य दो बार इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पुरुष सिंगल्स के सेमीफाइनल मुकाबले में कनाडा के विक्टर लाई को हराते हुए फाइनल का टिकट हासिल किया। 24 साल के लक्ष्य ने दाहिने पैर के अंगूठे में छालों के बावजूद एक घंटे 37 मिनट तक चले मुकाबले में विक्टर लाई को 21-16, 18-21, 21-15 से मात दी। सेन के मेंटोर प्रकाश पादुकोण 1980 और 1981 में ऑल इंग्लैंड फाइनल में पहुंचे थे, और उन्होंने पहली बार में ही खिताबी मुकाबले में जीत दर्ज की थी। शनिवार को सेन और लाई के बीच हुए सेमीफाइनल मैच में दोनों खिलाड़ियों के स्टैमिना का टेस्ट हुआ, क्योंकि उन्होंने कई रैलियां कीं जो 50 स्ट्रोक से ज्यादा चलीं। सेन की अतिरिक्त गेयर ढूंढने की काबिलियत ने ही भारतीय खिलाड़ी को पहला गेम जीतने में मदद की। लक्ष्य ने पहले गेम को 17-16 से अपने नाम किया। हालांकि, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल जीतने वाले पहले कैनेडियन खिलाड़ी लाई ने दूसरे गेम में वापसी की और मिड-गेम के ब्रेक तक 11-7 की बढ़त बना ली।

मिडिल-ईस्ट तनाव के कारण आईसीसी की दोहा मीटिंग टली

अब अप्रैल में हो सकती है, नई तारीख अभी तय नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने 25 से 27 मार्च के बीच दोहा (कतर) में होने वाली अपनी बोर्ड और कमेटी मीटिंग को फिलहाल टाल दिया है। अब यह बैठक अप्रैल में होने की संभावना है, हालांकि नई तारीख अभी तय नहीं की गई है। आईसीसी नए तारीख पर विचार कर रहा यह बैठक आईसीसी के गवर्नेंस कैलेंडर का हिस्सा थी, जिसमें बोर्ड डायरेक्टर्स, बोर्डस के चीफ एग्जीक्यूटिव, कमेटी सदस्य और सीनियर अधिकारी शामिल होने वाले थे। बैठक में ग्लोबल क्रिकेट से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा होनी थी।

इससे पहले आईसीसी ने 22 फरवरी को घोषणा की थी कि बैठक दोहा में आयोजित होगी, क्योंकि कतर में क्रिकेट के विकास और वहां के खेल इकोसिस्टम के साथ ढ्ढष्टष्ट की साझेदारी तेजी से बढ़ रही है। फिलहाल, आईसीसी नए वेन्यू और तारीख पर विचार कर रहा है। माना जा रहा है कि हालात सामान्य होने पर अप्रैल में यह बैठक कराई जा सकती है।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह आज अहमदाबाद में रहेंगे आज टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल अहमदाबाद में खेला जाएगा। इस मौके पर आईसीसी के चेयरमैन जय शाह समेत काउंसिल के कई अधिकारी शहर में मौजूद रह सकते हैं। अहमदाबाद जय शाह का होमटाउन भी है। फाइनल में भारत और न्यूजीलैंड आमने-सामने होंगी। इस वजह से न्यूजीलैंड के चेयरमैन रोजर ट्वोस के भी आज रात नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मौजूद रहने की संभावना है। जंग का आज नौवां दिन अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज नौवां दिन है। इस जंग में अब तक 1483 मौत हुई है। अब तक इजराइल के 1765 लोग घायल हुए हैं। ईरान में अब तक 6,668 सिविल इलाकों को निशाना बनाया गया है। इन हमलों में 5,535 घरों और 1041 दुकानें को नुकसान पहुंचा।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यायल नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670